एक जुलाई (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में तेलंगाना में पार्टी की पैठ बढ़ाने पर ध्यान रहने की संभावना है। भाजपा ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा हमला किया और कहा कि उनके सत्ता से जाने की उलटी गिनती शुरू हो गई है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 199 दिनांक:02-07-2022 शनिवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

पंत ने शतक के साथ कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। पंत ने टेस्ट करियर का पांचवां शतक लगाया। वहीं, विदेशी जमीन पर यह उनका चौथा शतक रहा। इंग्लैंड के खिलाफ पंत का तीसरा शतक रहा।

जून में जीएसटी संग्रह 56 प्रतिशत बढ़कर 1.44 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी संग्रह ने इस साल जून में 1.44 लाख करोड़ रुपये का संग्रह किया है। यह वार्षिक आधार पर समान माह के मुकाबले 56 फीसदी अधिक है। इससे पिछले महीने मई में जीएसटी कलेक्शन 1,40,885 करोड़ रहा था। जो वार्षिक आधार पर 44 फीसदी अधिक था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि अब जीएसटी कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक बना रहेगा। गौरतलब है कि शुक्रवार जीएसटी की 5वीं सालगिरह है इसी दिन 2017 में आजादी के बाद सबसे बड़े टैक्स रिफॉर्म कहे जाने वस्तु एवं सेवा कर की शुरुआत हुई थी। जीएसटी लागू होने के बाद कई तरह के छोटे करों को खत्म या इसी में समाहित कर दिया गया था। जून में कुल कलेक्शन में 25,306 करोड़ रुपये और सीजीएसटी 32,406 करोड़ रुपये रहा। वहीं, आईजीएसटी कलेक्शन 75,887 करोड़ रुपये रहा जिसमें 40,102 करोड़ रुपये आयातित सामानों से आया है। सेस कलेक्शन 11,018 करोड़ रुपये रहा है।

बता दें कि जीएसटी लागू होने के बाद यह 5वीं बार है जब मासिक जीएसटी कलेक्शन 1.40 लाख करोड़ के स्तर को पार कर गया है। इससे पहले अप्रैल 2022 में 1,67,540 करोड़, मार्च 2022 में 1,42,095 करोड़, जनवरी 2022 में 1,40, 986 करोड़, मई 2022 में 1,40,885 करोड़ रुपये का कलेक्शन हुआ था। भारत के सबसे बड़े टैक्स बदलाव माने जाने वाले जीएसटी ने 5 साल का सफर पूरा कर लिया है। इस 5 साल में मासिक रूप से 1 लाख करोड़ रुपये का रेवेन्यू कलेक्शन सामान्य बात हो गई है। बता दें कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में उत्पाद शुल्क, सेवा कर और वैट जैसे 17 स्थानीय कर और 13 उपकर शामिल किए गए और इसे एक जुलाई, 2017 की मध्यरात्रि को लागू किया गया था।

देश में नई अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था लाने का विचार वर्ष 2000 में आया था। तब जीएसटी कानून का मसौदा तैयार करने के लिए एक समिति का गठन किया गया। 2004 में समिति ने अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। इसके दो साल बाद 2006 में अपने बजट भाषण में वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने वर्ष 2010 से जीएसटी को देश में लागू करने की घोषणा की, लेकिन यह 2010 में लागू नहीं हो पाया, क्योंकि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच इसके कई प्रावधानों को लेकर मतभेद था।

कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 200 रुपए सस्ता हुआ

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेट्रोलियम कंपनियों ने शुक्रवार सुबह कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी कटौती कर दी है। दिल्ली में अब 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 1 जुलाई से 198 रुपए सस्ता हो गया है। पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल ने देश के चारों महानगरों में कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटाए हैं। इसमें सबसे ज्यादा कटौती दिल्ली में ही की गई है, जबकि कोलकाता में सबसे कम कीमत घटाई गई है। कंपनियों ने घरेलू उपभोक्ताओं को कोई राहत नहीं दी जिससे 14.2 किलोग्राम वाला रसोई गैस सिलेंडर पहले के ही दाम पर मिलता रहेगा। इसमें आखिरी बार 19 मई को बदलाव किया गया था। इंडियन ऑयल के मुताबिक दिल्ली में इंडेन का गैस सिलेंडर 198 रुपए सस्ता हुआ है, जबकि कोलकाता में इसकी कीमतों में 182 रुपए की कमी आई है। मुंबई में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी सिलेंडर 190.50 रुपए सस्ता हुआ जबकि चेन्नई में 187 रुपए कीमत घट गई है।

सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में लगातार दूसरे महीने कटौती की है। इससे पहले जून में 19 किलोग्राम वाला सिलेंडर 135 रुपए सस्ता हुआ था। इसका मतलब है कि एक महीने के भीतर ही इसकी कीमतों में 333 रुपए की गिरावट आ चुकी है। इसके उलट घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में पिछले महीने दो बार बढ़ोतरी की गई और दिल्ली में इसकी कीमत 1,003 रुपये पहुंच गई. तब कंपनियों ने 53.50 रुपए की बढ़ोतरी की थी। कंपनियों का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में क्रूड के दाम बढ़ने की वजह से गैस की कीमतों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है।

उदयपुर की घटना का जिक्र, टीवी पर माफी का आदेश नूपुर शर्मा पर भड़के सुप्रीम कोर्ट

उदयपुर (ईएमएस)। पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के चलते विवाद में आईं नूपुर शर्मा पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत में नूपुर शर्मा की ओर से दाखिल अर्जी में कहा गया था कि उनकी जान को खतरा है, ऐसे में वह देश के अलग-अलग हिस्सों में केसों की सुनवाई के लिए नहीं जा सकतीं। ऐसे में सभी केसों को दिल्ली ही ट्रांसफर कर दिया जाए। इस पर शीर्ष अदालत ने उन्हें कोई राहत तो नहीं दी, उलटे सख्त टिप्पणियां करते हुए उनसे माफी मांगने को कहा। अदालत ने नूपुर शर्मा को फटकार लगाते हुए कहा कि उनके ही एक बयान के चलते माहौल खराब हो गया। यही नहीं अदालत ने कहा कि नूपुर शर्मा ने माफी मांगने में देरी कर दी और उनके चलते ही दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला की बेंच ने पैगंबर के खिलाफ टिप्पणी के लिए विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकियों को एक साथ जोड़ने की शर्मा की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दी। इसके साथ ही नूपुर शर्मा ने अदालत से अपनी अर्जी को वापस ले लिया। अदालत ने कहा कि यह पूरा विवाद टीवी डिबेट के जरिए ही फैला है और उन्हें वहीं पर जाकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। यही नहीं सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान दिल्ली पुलिस के रवैये पर भी सवाल उठाया है और कहा कि उनके खिलाफ कई केस दर्ज होने के बाद भी गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई। इसके साथ ही अदालत ने नूपुर शर्मा की ओर से सुरक्षा की मांग को लेकर कहा कि उन्हें कोई खतरा नहीं है, लेकिन उनके बयान जरूर देश भर में खतरा बन गए हैं। यहां तक कि अदालत ने यह भी कहा कि उदयपुर में कन्हैया लाल की हत्या के लिए भी उनका ही बयान जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी पार्टी का प्रवक्ता होने का यह मतलब नहीं है कि आपकी ओर से कुछ भी बोल दिया जाए।

भारत के 'घातक' ड्रोन की पहली बार सफल उड़ान, पाकिस्तानी-चीन के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली (ईएमएस)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पहली बार ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर को उड़ाया। यह उड़ान कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में की गई। अमेरिका के बी-2 बमवर्षक की तरह दिखने वाला ये विमान पूरी तरह से स्वचालित था। ड्रोन ने खुद ही टेकऑफ लिया, वे प्वाइंट नेविगेशन और आसानी से लैंडिंग की।

यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को साबित करने के मामले में एक प्रमुख उपलब्धि है। यह देश की रक्षा को लेकर भी बड़ा कदम है। इस बेंगलुरु स्थित एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट इस्टैबलिशमेंट (एडीई) ने बनाया है। यह एक छोटे टर्बोफैन इंजन से उड़ता है। विमान के लिए उपयोग किए जाने वाले एयरफ्रेम, अंडर कैरिज और संपूर्ण उड़ान नियंत्रण और एवियोनिक्स सिस्टम स्वदेशी हैं।

भाजपा को शर्म से अपना सिर झुका देना चाहिए नूपुर शर्मा पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर बोली कांग्रेस

नई दिल्ली (ईएमएस)। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी करने वाली नूपुर शर्मा पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त रवैये के बाद कांग्रेस ने बयान जारी किया है। पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा को पैगंबर के खिलाफ अपनी टिप्पणी के साथ ठदेश भर में भावनाओं को भड़काने के लिए अकेले जिम्मेदारठ होने के लिए सही ठहराया है। इसके लिए सत्तारूढ़ दल भाजपा को शर्म से अपना सिर झुकाना चाहिए। दरअसल, शुक्रवार को नूपुर खर्मा शर्मा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में टिप्पणी की थी कि उन्हें ऐसा कहने के लिए देश के सामने माफी मांगनी चाहिए। साथ ही दिल्ली पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा था कि अगर एफआईआर हो चुकी है तो अभी तक गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई? अब मामले में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि अदालत ने ठविनाशकारी विभाजनकारी विचारधाराओंठ से लड़ने के लिए कांग्रेस पार्टी के संकल्प को मजबूत किया है। रमेश ने कहा, ठअदालत ने भाजपा प्रवक्ता को 'देश भर में भावनाओं को आहत करने के लिए अकेले जिम्मेदार' बताया है और उन्हें पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।ठ उन्होंने यह भी कहा, ठसुप्रीम कोर्ट की ये टिप्पणी, जो पूरे देश में गूंज रही है, इसके लिए सत्ताधारी पार्टी भाजपा को शर्म से सिर झुका देना चाहिए।ठ गौरतलब है कि एक टीवी बहस के दौरान पैगंबर के खिलाफ नूपुर शर्मा की टिप्पणी के बाद से देश भर में विरोध प्रदर्शन हुआ। कई खाड़ी देशों से भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थी। जिसके बाद भाजपा शर्मा को पार्टी से निलंबित कर दिया था। रमेश ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इस सरकार को आईना दिखाया है। कांग्रेस नेता ने कहा, ठइसमें कोई संदेह नहीं है कि भाजपा सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काकर लाभ उठाती है। आज, सुप्रीम कोर्ट ने हम में से हर एक में संकल्प को मजबूत किया है जो इन विनाशकारी विभाजनकारी विचारधाराओं से लड़ रहे हैं। रमेश ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सभी प्रकार की ठराष्ट्र विरोधी ताकतों के ध्रुवीकरणठ के खिलाफ अपनी लड़ाई कभी नहीं छोड़ेगी, जो राजनीतिक लाभ के लिए देश को अराजकता में डुबो देती हैं और सभी भारतीय नागरिकों को उनके ठविकृत कार्योंठ के परिणाम भुगतने देती हैं।

शिंदे सरकार चार जुलाई को साबित करेगी बहुमत, उद्धव ने एकनाथ को पार्टी के सभी पदों से हटाया

मुंबई,महाराष्ट्र में नई सरकार के शपथग्रहण के बाद शिवसेना अब अपने 39 बागी विधायकों के निलंबन के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। अपनी याचिका में शिवसेना ने एकनाथ शिंदे को भी निलंबित करने की मांग की है। वहीं महाराष्ट्र विधायिका का दो दिवसीय विशेष सत्र तीन जुलाई से होगा। सत्र के पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा।

शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को एकनाथ शिंदे पर बड़ी कार्रवाई की। उन्होंने शिंदे को शिवसेना के सभी पदों से हटा दिया। इसकी वजह पार्टी विरोधी गतिविधि बताई जा रही है। शिंदे ने बीते दिन ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था। उनके साथ भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि, उद्धव ठाकरे के इस फैसले को शिंदे के उन दावों पर हमला बताया जा रहा है, जिसके जरिए वे शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे की विरासत पर दावा कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में बीजेपी महाराष्ट्र के सांसदों, विधायकों और एमएलसी के साथ बैठक की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल, सुधीर मुनगंटीवार, गिरीश महाजन, प्रवीण दारेकर, चंद्रशेखर बावनकुले, आशीष शेलार, राहुल नार्वेकर और अन्य नेता भी मौजूद थे। राष्ट्रवादी कांगेस पार्टी(राकांपा) नेता धनंजय मुंडे ने महाराष्ट्र के नवनियुक्त उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके शपथ लेने के कुछ घंटे बाद ही मुलाकात की है। यह जानकारी शुक्रवार को मुंडे के एक करीबी ने दी। मुंबई में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बैठक में उंड्, थल सेना, नौसेना, वायु सेना और रेलवे के अधिकारी और अलग-अलग विभाग के लोग मौजूद थे। सभी ने मानसून के चलते प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए उनकी क्या तैयारी है उस पर प्रस्तुतियां दीं। मुख्यमंत्री ने उनको निर्देश दिया था कि हम सभी आपदाओं को टाल नहीं सकते हैं लेकिन जब कोई आपदा आती है तो हमारी प्रतिक्रिया तेज होनी चाहिए इस दृष्टि हम तैयार रहें।

मानव रहित विमान ने पहली बार नापी आसमान की ऊंचाइया, डीआरडीओ की बड़ी सफलता

बेंगलुरु (ईएमएस)। देश के पहले मानव रहित विमान ने पहली बार आसमान की ऊंचाइया नापी तो रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। डीआरडीओ को अत्याधुनिक मानव रहित विमान के विकास में एक बड़ी कामयाबी मिली है। डीआरडीओ ने ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की पहली उड़ान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। बिना पायलट के उड़ने वाले इस विमान ने इस दौरान उड़ने से लेकर उतरने तक का सारा काम खुद अंजाम दिया। डीआरडीओ ने अपने बयान में बताया कि यह अभ्यास शुक्रवार को कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित एयरोनॉटिकल टेस्ट रेंज में किया गया। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, डीआरडीओ ने बयान में कहा कि एयरक्राफ्ट की उड़ान काफी अच्छी रही। यह उड़ान पूरी तरह से स्वचालित थी। इस दौरान टेक-ऑफ, वे पॉइंट नेविगेशन और आसानी से टचडाउन शामिल है। यह उड़ान भविष्य के मानव रहित विमानों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण तकनीक को हासिल करने के मामले में एक मील का पत्थर साबित होगी। यह इस तरह की सामरिक रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

डीआरडीओ अधिकारियों के मुताबिक, इस यूएवी का डिजाइन डीआरडीओ के तहत बेंगलुरु में एक प्रमुख रिसर्च लैब वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) ने तैयार किया है। इसका विकास भी एडीई की तरफ से किया गया है। ये एक छोटा मानव रहित विमान है। इसमें टर्बोफैन इंजन लगा है। इसमें लगे एयरफ्रेम और यहां तक कि निचला ढांचा, पहिए, फ्लाइट कंट्रोल और वैमानिकी सिस्टम भारत में ही तैयार किए गए हैं। डीआरडीओ की इस कामयाबी पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ट्वीट करके बधाई दी है। उन्होंने कहा कि चित्रदुर्ग एटीआर की तरफ से ऑटोनॉमस फ्लाइंग विंग टेक्नोलॉजी डिमॉन्स्ट्रेटर की पहली सफल उड़ान पर बधाई। ऑटोनोमस विमान तैयार करने की दिशा में ये एक बड़ी उपलब्धि है। इससे महत्वपूर्ण सैन्य प्रणालियों के निर्माण के मामले में आत्मनिर्भर भारत अभियान का मार्ग प्रशस्त होगा।

18 जुलाई से शुरू होगा संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त तक चलेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा सचिवालय की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्ष 2022 के लिए संसद का मानसून सत्र 18 जुलाई से शुरू होगा। विज्ञप्ति के अनुसार संसद के दोनों सदनों की बैठक 18 जुलाई से होने की संभावना है और सत्र 13 अगस्त को समाप्त होगा। मानसून सत्र आमतौर पर जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होता है और स्वतंत्रता दिवस से पहले समाप्त होता है। पिछले साल का मानसून सत्र एक जबरदस्त घमासान के साथ पर समाप्त हुआ था क्योंकि विपक्षी दलों ने पेगासस जासूसी कांड, किसानों के विरोध और तेल की कीमतों में वृद्धि पर चर्चा की सरकार से अनुमति मांगी थी जोकि नहीं मिली और फिर विपक्ष ने दोनों सदनों में जमकर हंगामा किया था। 2021 में मानसून सत्र पिछले दो दशकों का तीसरा सबसे कम उत्पादकता वाला लोकसभा सत्र रहा था, जिसमें केवल 21 प्रतिशत ही काम हुआ था। राज्यसभा ने 28 प्रतिशत की उत्पादकता दर्ज की थी। 1999 के बाद से इसका आठवां सबसे कम उत्पादक सत्र था।

पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से फोन पर की बात

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से फोन पर बात की है। दोनों नेताओं ने इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और विभिन्न अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ पुतिन की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णयों के कार्यान्वयन की समीक्षा की। इसके अलावा, पीएम मोदी ने बातचीत के दौरान में मौजूदा स्थिति से संबंधित बातचीत और कूटनीति के पक्ष में भारत के लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराया। बता दें कि, बीते साल दिसंबर में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन भारत आए थे। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच दोनों देशों के बीच सदियों पुराने संबंधों को बढ़ाने के लिए पहली '2+2' मंत्रिस्तरीय वार्ता हुई थी। पीएम मोदी ने कहा था कि पिछले कुछ दशकों में, दुनिया ने कई मूलभूत परिवर्तन देखे और विभिन्न प्रकार के भू-राजनीतिक समीकरण उभरे लेकिन भारत और रूस की मित्रता स्थिर रही। भारत और रूस के बीच संबंध वास्तव में अंतरराज्यीय मित्रता का एक अनूठा और विश्वसनीय मॉडल है। वहीं राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने कहा था कि भारत एक समय-परीक्षित सहयोगी और एक विश्व शक्ति है। दोनों देश एक साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं। हम भारत को एक महान शक्ति, एक मित्र राष्ट्र के रूप में देखते हैं। हमारे देशों के बीच संबंध बढ़ रहे हैं और मैं भविष्य की ओर देख रहा हूं। दोनों देश ऊर्जा क्षेत्र, नवाचार, अंतरिक्ष और कोरोनावायरस टीकों और दवाओं के उत्पादन जैसे क्षेत्रों में विकास को बढ़ावा देने के लिए भागीदार बने रहेंगे। इससे बैठक से पहले, भारत और रूस ने 2021-31 के लिए सैन्य-तकनीकी सहयोग व्यवस्था के तहत भारत-रूस राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 600,000 से अधिक एके-203 असॉल्ट राइफलों की खरीद के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम में तत्काल दखल देने से किया इंकार

मुंबई, (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में चल रहे राजनीतिक घटनाक्रम में तत्काल दखल देने से मना कर दिया है. दरअसल शुक्रवार को शिवसेना के पक्ष प्रमुख उद्धव ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत 16 विधायकों को विधानसभा से निलंबित करने की मांग की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि मामला 11 जुलाई को सुनवाई के लिए लगाया गया है, उसी दिन सभी बातों को सुना जाएगा. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 29 जून को देर शाम दिए आदेश में महाराष्ट्र विधानसभा में उद्धव सरकार के फ्लोर टेस्ट को रोकने से मना कर दिया था. इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया. अगले दिन एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली. अब उद्धव के नेतृत्व वाली शिवसेना के चीफ व्हिप सुनील प्रभु ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. प्रभु की याचिका में कहा गया है कि शिंदे कैंप के 16 विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई डिप्टी स्पीकर के पास लंबित है, उसके रहते उन्हें विधानसभा में जाने से की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए. आपको बता दें कि अगले 2-3 दिन में महाराष्ट्र विधानसभा में एकनाथ शिंदे सरकार का बहुमत परीक्षण होना है. उससे पहले शुक्रवार को उद्धव ठाकरे कैंप ने इस प्रक्रिया को रोकने की कोशिश की, लेकिन उसे सुप्रीम कोर्ट से कामयाबी नहीं मिल पाई. शिवसेना के सुनील प्रभु की तरफ से कोर्ट में पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि शिंदे ग्रुप का किसी भी पार्टी में विलय नहीं हुआ है. ऐसे में उसे मान्यता नहीं मिल सकती. मौजूदा स्थिति में विधानसभा में फ्लोर टेस्ट के दौरान शिवसेना और शिंदे ग्रुप, दोनों ही अलग-अलग व्हिप जारी करेंगे. यह अवैध होगा। इसे रोका जाना चाहिए. इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जमशेदपुर पारदीवाला की अवकाश कालीन बेंच ने कहा कि हम अभी किसी भी प्रक्रिया को नहीं रोक रहे हैं. उसे होने दीजिए लेकिन ऐसा नहीं है कि हमने अपनी आंखें बंद कर ली हैं. 11 जुलाई को मामला सुनवाई के लिए लगा है. उस दिन हम सभी पहलुओं पर सुनवाई करेंगे.

पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे का बयान, एकनाथ शिंदे शिवसेना के सीएम नहीं

मुंबई (ईएमएस)। पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा कि एकनाथ शिंदे शिवसेना के सीएम नहीं हैं। सत्ता के लिए रातों रात खेल हुआ हैं। सभी मतदाताओं को अधिकार होना चाहिए कि जिसे वोट दे रहा है उस वापस बुलाने का अधिकार भी उसके पास होना चाहिए। मेरे दिल से महाराष्ट्र को नहीं निकाल सकते। लोकतंत्र का अपमान हो रहा है। कल जो हुआ उसके बारे में मैंने गृहमंत्री अमित शाह से पहले भी कहा था कि शिवसेना का मुख्यमंत्री 2.5 साल (शिवसेना-भाजपा गठबंधन के दौरान) होना चाहिए। अगर उन्होंने पहले ऐसा किया होता, तब कोई महा विकास अघाड़ी नहीं होती। इसके साथ ही महाराष्ट्र को बदनाम नहीं करने की अपील की है।

उद्धव ने कहा कि मुझे इसका दुख जरूर है, कि जिस तरह से मेरे पीठ में खंजर घोंपा गया। आरे के फैसले को पलटने की बात पर बयान देते हुए उद्धव ने कहा कि पर्यावरण के साथ खेल न करें। बता दें कि शिंदे के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद उद्धव ठाकरे की तरफ से प्रतिक्रिया भी सामने आई। ठाकरे ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि दोनों ही नेता महाराष्ट्र के लिए अच्छा काम करने वाले हैं, उन्होंने अपने ही ट्वीट से एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस दोनों को बधाई दी।

राष्ट्रपति चुनाव के लिए 98 लोगों ने भरा पर्चा, सिर्फ दो ही हुए क्वालीफाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। राष्ट्रपति चुनाव 2022 के लिए 98 लोगों ने पर्चा भरा था जिसमें से केवल 2 उम्मीदवार ही बचे हैं। नामांकन और जांच की प्रक्रिया ख़त्म होने के बाद बाक़ी अभी लोगों के पर्चे ख़ारिज़ कर दिए गए। 2 जुलाई तक नाम वापस लेने की आख़िरी तारीख़ है। चुनाव के पीठासीन अधिकारी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, 29 जून को नामांकन की आख़िरी तारीख खत्म होने तक कुल 98 लोगों ने 115 सेट नामांकन पत्र भरा। इनमें से 26 लोगों के नामांकन उसी समय तकनीकी कारणों से रद्द कर दिए गए थे, जब उन्होंने इसे भरा था। बाक़ी 72 लोगों के नामांकन पत्र की जांच गुरुवार को की गई जिनमें से केवल एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और यूपीए उम्मीदवार यशवंत सिन्हा का नामांकन ही सही पाया गया।इस बार राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी को चुनाव का पीठासीन अधिकारी या रिटर्निंग ऑफिसर बनाया गया है। आंकड़ों के मुताबिक़ दिल्ली समेत कुल 17 राज्यों से नामांकन पत्र भरे गए। इनमें सबसे ज़्यादा 19 लोगों ने दिल्ली से नामांकन भरा जबकि दूसरे नम्बर पर रहे उत्तर प्रदेश से 16 लोगों ने पर्चा भरा। इसी तरह महाराष्ट्र से 11 और तमिलनाडु से 10 लोगों ने पर्चा भरा। नामांकन भरने वालों में द्रौपदी मुर्मू समेत 10 महिलाएं भी रहीं।

गोल्ड पर बढ़ा 5 फीसदी इंपोर्ट शुल्क, टाइटन के शेयर नीचे गिरे, कंपनी पर कैसे पड़ा सोने का असर?

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने गोल्ड पर इपोर्ट डयूटी में पांच फीसदी का इजाफा कर दिया है। आयात शुल्क को 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया है। सरकार के इंपोर्ट डयूटी बढ़ाने से देश में सोने की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। सरकार ने यह कदम देश में सोने की मांग को घटाने के लिए उठाया है। इस बीच ज्वेलरी और घड़ी बनाने वाली कंपनी टाइटन के शेयर आज यानी 1 जुलाई को करीब 3 फीसदी टूटे हैं। 12:16 बजे के आसपास एनएसई पर टाइटन के शेयर 57.25 रुपये यानी 2.63 फीसदी की गिरावट के साथ 1891.30 रुपये पर कारोबार कर रहा था। इस शेयर का 52 वीक हाई 2768 रुपये है जबकि 52 वीक लो 1662.50 रुपये है। शेयर का वर्तमान वॉल्यूम 2,470,468 है। कंपनी का मार्केट कैप 167,929 करोड़ रुपये है।

टाइटन ज्वेलरी का रिटेल कारोबार करने वाली एक अग्रणी कंपनी है। फिलहाल इस शेयर पर दबाव नजर आ रहा है। सोने की बढ़ती कीमतों और शादी के मौसम की समाप्ति के कारण बुलियन और ज्वेलरी की मांग घटी है। इस वजह से कंपनी के शेयरों में गिरावट आ रही है। सोने के बढ़ते आयात से रुपया लगातार कमजोर हो रहा है। इस सप्ताह की शुरुआत में रुपया अपने रिकॉर्ड लो पर पहुंच गया। आयात बढ़ने से चालू खाते का घाटा भी बढ़ रहा है। आयात बिल बढ़ने का असर फॉरेक्स रिजर्व पर भी पड़ा है और यह कुछ कम हुआ है। अब सरकार ने सोने की मांग को घटाने के लिए ही इंपोर्ट डयूटी में इजाफा किया है, जिससे रुपये की कमजोरी को रोका जा सके।

जब देवेंद्र फडणवीस से आधी रात को मिले राकांपा विधायक धनंजय मुंडे

- कहीं राकांपा में भी बगावत की सुगबुगाहट तो नहीं ?

- राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म

मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र में पिछले 10 दिनों से चल रहा सत्ता पलटने का खेल आखिरकार खत्म हो गया। उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद, महाराष्ट्र में एक नई सरकार सत्ता में आई। शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जबकि भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस बीच सूत्रों की मानें तो फडणवीस के सत्ता में लौटते ही राकांपा विधायक धनंजय मुंडे ने फडणवीस से मुलाकात की। खबर है कि गुरुवार आधी रात को फडणवीस के मुंबई स्थित सागर बंगले में ये मुलाकात हुई जिसके बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म हो चला है. खबर ये भी सुनी जा रही है कि कहीं अब राकांपा में भी बगावत की सुगबुगाहट तो नहीं ? दरअसल महाविकास अघाड़ी सरकार के पतन के बाद, राकांपा के वरिष्ठ विधायक धनंजय मुंडे की फडणवीस से अचानक मुलाकात वो भी आधी रात को, इस मुलाकात ने राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं को जन्म दे दिया है। हालांकि एक राकांपा नेता ने बताया कि धनंजय मुंडे फडणवीस को उपमुख्यमंत्री बनने पर शुभकामना देने उनके निवास स्थान पर गए थे. बहरहाल कारण जो भी हो महाविकास अघाड़ी का हिस्सा रहे राकांपा विधायक मुंडे का भाजपा के वरिष्ठ नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से अचानक मिलने की खबर से राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म होना लाजमी है.

मुंबई और ठाणे जिले में आफत बनकर बरस रही है बारिश

- कई इलाकों में सड़कों पर भरा पानी, मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

मुंबई, (ईएमएस)। लगातार तीन दिन से मुंबई और ठाणे जिले में हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त व्यस्त हो चला है. कई जगहों पर जलजमाव की समस्या बढ़ गई है तो कई इलाकों में पेड़ गिरने की खबर है. इसके चलते ट्रैफिक बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है. मुंबई में लगातार बारिश के बीच कालबादेवी और सायन इलाकों में इमारत गिरने की दो घटनाएं भी सामने आई है. अधिकारियों ने जानकारी दी है कि हादसे में किसी प्रकार से कोई हताहत नहीं हुआ है, लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है. आपको बता दें कि बीते बुधवार से ही मुंबई में बारिश जारी है. मुंबई शहर और उपनगरों में मध्यम से भारी बारिश हुई है. मुंबई और ठाणे जिले में शुक्रवार को अलग-अलग जगहों पर बहुत भारी से बेहद भारी बारिश हुई है. वहीं भारी बारिश के बाद मुंबई के सायन-बांद्रा लिंक रोड पर जलभराव हो गया. गुरुवार रात को मुंबई के दादर टीटी के खोदाद सर्कल के पास जलजमाव ने यातायात की आवाजाही को बाधित कर दिया और एक कार सड़क के बीच में फंस गई. उधर लोअर परेल इलाके की सड़कें और गलियां बारिश के पानी में डूबी हुई हैं. शहर में भारी बारिश के कारण अंधेरी के कुछ हिस्सों में भीषण जलभराव हो गया है. भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश के बीच ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. शहर भर में ट्रेन और बस सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुईं. आलम यह है कि मानसून की पहली भारी बारिश के कारण कई निचले इलाकों में जलजमाव हो गया है. कुर्ला, चेंबूर, सायन, दादर और अंधेरी सहित मुंबई के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई. मुंबई के हिंदमाता, परेल, कालाचौकी, हाजी अली, डॉकयार्ड रोड, गांधी मार्केट और बांद्रा जैसे क्षेत्रों में कई सड़कों पर पानी भर जाने के कारण सड़क यातायात या तो धीमा हो गया या बंद हो गया. उधर मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों के दौरान मुंबई और आस-पास के शहरों में कुछ स्थानों पर भारी बारिश की भविष्यवाणी करते हुए येलो अलर्ट भी जारी किया है. उधर ठाणे जिले में भी शुक्रवार सुबह 11 बजे से ही मूसलाधार बारिश होने से निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं.

कार्टून कोना

जन हितैषी

फडणवीस नए चाणक्य!

महाराष्ट्र की राजनीति में 10 जून से 29 जून के दौरान जो कुछ भी हुआ, उसे देखकर यह कहने में कोई गुरेज नहीं कि विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही छत्रपति शिवाजी महाराज की धरती के असली चाणक्य हैं और निःसंदेह मराठा क्षत्रप शरद पवार का युग लगभग समाप्त हो चुका है। इसे पवार को स्वीकार कर लेना चाहिए, क्योंकि यह भी साबित हो गया है कि बालासाहेब ठाकरे के अयोग्य उत्तराधिकारी उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री बनाकर उनकी आड़ में राज्य में सत्ता के संचालन की उनकी कोशिश अंततः नाकाम हो गई। शरद पवार की इमेज जहां आज भी वर्ष 1978 के उस राजनेता की है, जिसने मुख्यमंत्री वंसतदादा पाटिल के साथ कपट किया और उनके विधायकों को तोड़कर राज्य की सत्ता हथिया ली थी। पवार आज भी उस तिकड़मी छवि से बाहर नहीं आ सके हैं। लेकिन दूसरी ओर फडणवीस की इमेज मौजूदा राजनीतिक बवंडर के दौरान जेंटलमैन नेता की बनी रही। एकनाथ शिंदे से बगावत करवाई, लेकिन इसे शिवसेना का अंदरूनी मामला करार दे दिया। शिवसेना विधायकों की बगावत करवा करके फडणवीस ने पवार और उद्धव दोनों को उन्हीं की स्टाइल में करारा जवाब दिया है। चतुर राजनेता की चतुर नीति से सांप भी मर गया और लाठी भी नहीं टूटी। एक तरह से यह 2019 का भूल-सुधार भी कहा जाएगा। देश की राजनीति में फडणवीस का ग्राफ बहुत तेजी से बढ़ा है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बारे में यही कहा जा सकता है कि पवार के झांसे में आकर सेक्युलर बनने का उनका फैसला ब्लंडर साबित हुआ और इस चक्कर में उन्होंने अपने पिता की विरासत को भी गंवा दिया। राजनीतिक हलकों में 22 जून से ही कहा जा रहा है कि वर्षा छोड़ते समय उद्धव सीएम पद भी छोड़ दिए होते तो थोड़ी सहानुभूति मिलने की गुंजाइश रहती। उद्धव ठाकरे ने अगर अपने पिता की विरासत को गंवा दी तो उसके लिए वह उसी तरह जिम्मेदार हैं, जिस तरह 2014 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने भाजपा-शिवसेना गठबंधन टूटने के लिए भाजपा नेतृत्व को जिम्मेदार माना था और चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बारे में इस तरह का कमेंट किया था, जिससे आम तौर पर परिपक्व नेता बचता है। 2014 के चुनाव प्रचार में उद्धव के भाषण से साफ हो गया था कि उन्हें भविष्य जब भी मौका मिलेगा, वह भाजपा से बदला जरूर लेंगे। यहां फडणवीस उनकी मंशा भांपने में असफल रहे। भाजपा को सबक सिखाने के चक्कर में उद्धव पवार के चक्रव्यूह में फंस गए। कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी का गठन किया। सीनियर ठाकरे की परंपरा से हटकर मुख्यमंत्री बने और बेटे को भी मंत्री बना दिया। सीएम बनने के बाद तो हिंदू हृदय सम्राट बाल ठाकरे की शिवसेना सेक्युलर शिवसेना के रूप में ट्रांसफॉर्म होने लगी। उद्धव ने शिवसेना को ऐसी सेक्युलर राजनीतिक दल बना दिया जो हिंदू विरोधी कार्य करती दिख रही थी। जो जिंदगी भर शिवसैनिक राग हिंदू आलापता था, वह समझ ही नहीं पाया कि उद्धव साहेब यह क्या कर रहे हैं। वे देख रहे थे कि हिंदूवादी शिवसेना सरकार हिंदुत्व के पैरोकारों की ही ऐसी की तैसी कर रही है। ढाई साल में शिवसेना हिंदू-विरोधी पार्टी बन गई। इससे शिवसेना विधायकों की हवाइयां उड़ने लगी। उन्हें साफ दिखने लगा कि उद्धव की हिंदू विरोधी नीति से उनका राजनीतिक करियर खत्म हो जाएगा। यही वजह है कि जब एकनाथ शिंदे ने उद्धव का विरोध करने की पहल की तो तो तिहाई से ज्यादा विधायक उनके साथ हो लिए। अब तो भविष्य में उद्धव के साथ रहने वाले 10-12 विधायक और राज्यभर में शाखा प्रमुख के भी शिंदे खेमे में चले जाएं तो हैरानी नहीं होगी।

महाराष्ट्र में नया प्रयोग गुट नेता मुख्यमंत्रीः बड़े दल का समर्थन....?

(त्वरित टिप्पणी)देश पर राज कर रही भारतीय जनता पार्टी ने महाराष्ट्र में प्रसिद्ध कवि रहीम की पँक्तियों का अक्षरशः पालन करते हुए सत्ता के मोह को त्याग कर शिवसेना से पृथक हुए विधायकों के गुट विशेष के मुखिया को मुख्यमंत्री का पद सौंप दिया है, संभवतः भारतीय प्रजातंत्र के इतिहास में यह एक अनूठा विस्मयकारी प्रयोग है, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे की सरकार को गिराने का श्रेय विधायकों के इसी गुट को है, जिसे भारतीय जनता पार्टी ने समर्थन दिया है।

पिछले करीब एक पखवाड़े से राजनीतिक रूप से महाराष्ट्र सुर्खियों में है, शिवसेना की सरकार के प्रमुख उद्धव ठाकरे से नाराज होकर वरिष्ठ नेता एकनाथ शिंदे अपने समर्थक शिवसेना के करीब अड़तीस विधायकों के साथ मुम्बई से पहले सूरत और बाद में गुवाहाटी चले गए थे। इस कारण उद्धव ठाकरे की सरकार अल्पमत में आ गई थी, क्योंकि उनके पास अपनी पार्टी के सिर्फ सोलह विधायक ही बचे थे। अन्ततः मामला सर्वोच्च न्यायालय तक गया और कल रात सर्वोच्च न्यायालय ने विधानसभा में शक्ति परीक्षण की अनुमति दे दी और इस शक्ति परीक्षण के पूर्व ही उद्धव ठाकरे ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। उद्धव ठाकरे की शिवसेना से अलग होने के बाद एकनाथ शिन्दे के विधायक गुट ने भाजपा का समर्थन लिया और उद्धव को सत्ता छोड़ने को मजबूर कर दिया। शिवसेना से रूठे शिवसेना व कुछ निर्दलीय इस तरह कुल पचास विधायक गुवाहाटी से गोवा होते हुए मुम्बई लौट आए। इनके मुम्बई लौटने और उनके द्वारा भाजपा को समर्थन देने की घोषणा के बाद से ही राजनीतिक क्षेत्रों में यह तय माना जा रहा था कि भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस मुख्यमंत्री पद की शपथ लेगें और एकनाथ शिन्दे उप-मुख्यमंत्री बनेगें, किंतु आज शाम श्री फड़नवीस ने पत्रकार वार्ता में राजनीतिक बम का विस्फोट करते हुए एकनाथ शिन्दे को मुख्यमंत्री मनोनीत करने की घोषणा कर दी और घोषणा के चंद घण्टों बाद श्री शिन्दे की शपथ भी हो गई।

अब इसे भाजपा का नया सत्ता प्रयोग कहा जाए या अपने संरक्षण में 'कठपुतली' सरकार का गठन, यह तो प्रेक्षकों की सोच पर निर्भर है, किंतु अब यह कयास अवश्य लगने लगे है कि क्या यह प्रयोग फलीभूत होकर अगले ढाई साल तक चल पाएगा? क्योंकि यह तो तय है कि इस सरकार में बहुसंख्यक मंत्री भाजपा के ही होगें और मुख्यमंत्री के गुट के एक दर्जन मंत्री ही रहेगें, इसलिए सरकार पर दबदबा भाजपा या यौं कहे देवेन्द्र फड़नवीस का ही रहेगा।

यह प्रयोग इसलिए भी थोड़ा अटपटा लगता है क्योंकि अब तक बड़ी पार्टी की ही सरकार रही है और महाराष्ट्र में तो जिस गुट की सरकार है, उसका तो अभी नामकरण भी नहीं हो पाया है? किंतु इस प्रकरण को यदि भाजपा की 'दरियादिली' कहा जाए तो कतई गलत नहीं होगा। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

02 जुलाई 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2022 वर्ष का 183 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2079
शक संवत् 1944
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 15.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा अहोरात्र।
योग हर्षण 11.32 बजे को समाप्त।
करण गर 15.18 बजे तदनन्तर वणिज 04.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 02.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871297
जूलियन दिन 2459762.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना जिल्हेज
तारीख 02

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.26 बजे से
चंद्र	कर्क में	सिंह	08.42 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.54 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.04 बजे से
गुरु	मीन में	वृश्चिक	15.19 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	17.35 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.40 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.27 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.00 बजे से
राहुकाल		मेष	00.30 बजे से
9.00 से 10.30		वृष	02.10 बजे से
बजे तक		मिथुन	04.08 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

तीस्ता सीतलवाड़ के डरावने दंद-फंद

बात सम्भवतः 2012 या 2013 की है। औरंगाबाद में एक प्रमुख दैनिक के दफ्तर में सोशल एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ से मुलाकात हुई थी। आधा-पौन घण्टे की मुलाकात के दौरान तीस्ता की जुबान ने एक पल के लिए ब्रेक नहीं लिया। उसके जाने के बाद मस्तिष्क ने कुछ निष्कर्ष निकाले थे जो आज सटीक लग रहे हैं। जैसे, गुजरात दंगों पर इस कथित सामाजिक कार्यकर्ता का नजरिया सिरे से इकतरफा है, इसमें नरेंद्र मोदी का विरोध कूट-कूट कर भरा है, यह अकेली नहीं है बल्कि इसे आगे करके मोदी के राजनीतिक विरोधी, लिबरल लॉबी और कुछ विदेशी ताकतें अपना मिशन बढ़ाने की कोशिश कर रहीं हैं। तीस्ता के बारे में यह धारणा मजबूत हुई कि वह प्रोपेगण्डा चलाने और पब्लिसिटी लूटने के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है। 2002 के गुजरात दंगों के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आंखें खोल देने वाला है। इस फैसले ने तीस्ता और उसके जैसे कई लोगों की कलई खोल कर रख दी। सुप्रीम कोर्ट ने दंगों में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और 63 अन्य लोगों को एसआईटी द्वारा दी गई क्लीन चिट पर मुहर लगा दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात दंगों के पीछे उच्च स्तरीय साजिश का आरोप लगाने वाली याचिका खारिज करते हुए सख्त लहज में कहा कि मामले को गर्म बनाए रखने के लिए आधारहीन और गलत बयानी से भरी याचिका दाखिल की गई। फैसले में उन व्यक्तियों और अधिकारियों के खिलाफ कानून सम्मत कार्रवाई की पैरवी की गई, जिन्होंने मामले को सनसनीखेज और राजनीतिक रूप से गर्म बनाने का प्रयास किया।

तीस्ता सीतलवाड़ को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उसके साथ-साथ कुछ अन्य लोगों पर भी बेकसूरों को फंसाने की साजिश रचने का आरोप है। जांच के शुरूआती दो दिनों में उसने मुंह नहीं खोला। माना जा रहा है कि जल्द ही वह उगलेगी कि आखिर किसकी शह और मदद से वह मोदी को बदनाम कर उनका राजनीतिक जीवन खराब करने में जुटी थी। यह साफ हो चुका है कि अपना हित साधने की गरज से वह गुजरात दंगों से संबंधित जकिया जाफरी याचिका में दिलचस्पी लेती रही और तथ्यों को मन मुताबिक गढ़ती रही। इस मामले में तीस्ता के अलावा गुजरात के पूर्व पुलिस महानिदेशक आर. बी. श्रीकुमार को हिरासत में लिया गया है। श्रीकुमार को तीस्ता के एनजीओ सिटीजन्स फार जस्टिस एंड पीस में सहयोगी बताया जाता है। ऐसा माना जाता है कि तीस्ता के एनजीओ को दिल्ली और देश के अन्य भागों में प्रभावशाली लिबरल और राजनेताओं का आशीर्वाद प्राप्त रहा है। एक अन्य पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट के विरूद्ध भी मामला पंजीबद्ध किया गया है। भट्ट पहले से ही पालनपुर जेल में बंद हैं।

मोदी को क्लीन चिट मिलने और तीस्ता को हिरासत में लिए जाने के बाद मौलाना आजाद उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और मुस्लिम कारोबारी जफर सरेशवाला ने जो आरोप लगाया है उससे कांग्रेस भी कठघरे में खड़ी नजर आने लगी है। कभी तीस्ता के सहयोगी रहे सरेशवाला का कहना है कि गुजरात में दंगा पीड़ित मुसलमानों को हिंदुओं के खिलाफ भड़काया और डराया जाता था। तीस्ता तत्कालीन यूपीए सरकार के नेताओं के इशारे पर एजेंडा चला रही थी। ये लोग नहीं चाहते थे कि जो हुआ उसे भूल कर मुसलमान आगे बढ़ें। दौलत और शोहरत की भूखी तीस्ता पूरी तरह से कांग्रेस के दिग्गज नेता अहमद पटेल के इशारे पर काम कर रही थी। अहमद पटेल को सोनिया गांधी और राहुल गांधी का काफी करीबी माना जाता था। गुजरात दंगों को लेकर फैलाये जाते रहे झूठ के अभियान का मकसद मोदी और भाजपा की छवि खराब करना रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि विरोधियों को मोदी की क्षमताओं का अहसास था इसलिए उनकी छवि खराब करके उन्हें सियासी मैदान से बाहर करने की साजिश की जा रही थी। सरेशवाला ने दंगों की त्रासदी झेली थी। कभी वह भी नाराज थे लेकिन 2004 में उन्हें अहसास हो गया कि मुसलमानों का हितैषी बन कर एक लॉबी अपना उल्लू सीधा करने में लगी है। गुजरात दंगे, मोदी और गुजरात से जुड़े घटनाक्रम काफी कुछ संकेत देते हैं। 27 फरवरी 2002 को अयोध्या से साबरमती एक्सप्रेस से लौट रहे 59 कारसेवकों को गोधरा स्टेशन पर जिंदा जला दिया गया। उसके दूसरे ही दिन गुजरात के कम से कम आठ जिलों में दंगे भड़क गए। 28 फरवरी को उग्र भीड़ के हमले में कांग्रेसी सांसद एहसान जाफरी समेत 69 लोग मारे गए थे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार गुजरात दंगों में 1044 मौतें हुईं थीं। लगभग 250 लोग लापता हो गए। ढाई हजार लोग घायल हुए थे। मरने वालों में 790 मुसलमान और 254 हिंदू थे। अन्य सूत्रों का मानना है कि गुजरात दंगों में 1926 लोग मारे गए थे। लिबरल लॉबी, कतिपय विपक्षी पार्टियां और वामपंथ से प्रभावित पत्रकार और बुद्धिजीवी इसे गुजरात की तत्कालीन मोदी सरकार के इशारे पर किया गया नरसंहार बताते रहे हैं जबकि गोधरा कांड पर प्रतिक्रिया ने साम्प्रदायिक दंगे का रूप ले लिया था। दंगों में हिंदू भी मारे गए थे। एक खास लॉबी सिर्फ मुसलमानों की बात करती रही है। गोधरा कांड और दंगों में हिंदुओं की मौत पर उसने कभी मुंह नहीं खोला।

तत्कालीन सरकार, मोदी और भाजपा के विरूद्ध मुसलमानों को बरगलाने में पूरी ताकत झोंक दी गई थी। तीस्ता एक मोहरा मात्र कही जा सकती है। एक खास बात नोटिस की गई। तीस्ता को कांग्रेस से काफी सम्मान और महत्व मिलता रहा है। 2002 कांग्रेस के द्वारा सालाना दिया जाने वाला राजीव गांधी सद्भावना अवार्ड हर्षमंदर के साथ उसे दिया गया था। 2006 में प्रतिष्ठित नानी पालखीवाल पुरस्कार और 2007 में कांग्रेस की अगुआई वाली यूपीए सरकार ने उसे पद्म श्री से सम्मानित किया था। तीस्ता पर आरोप भी लगते रहे हैं। भाजपा का आरोप है कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में ही तीस्ता के एनजीओ को एक करोड़ 40 लाख रुपये दिये गए थे इस धन का उपयोग नरेंद्र मोदी के विरूद्ध अभियान चलाने और देश को बदनाम करने के लिए किया गया था। यह तथ्य सामने आ चुका है कि वह तत्कालीन आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट और गुजरात के कुछ खास कांग्रेसी नेताओं के लगातार संपर्क में रहती थी। संजीव भट्ट का प्रयास रहता था कि तीस्ता के एनजीओ के माध्यम से मामलों को प्रभावित किया जाए। जाकिया एहसान जाफरी के मामले में कहा गया है कि तीस्ता ने एक वकील के साथ पहले अंगे्रजी में हलफनामे बनवा कर टाइप करा लिये थे फिर उन पर संबंधितों से हस्ताक्षर या अंगूठे के निशान ले लिये गये थे। तीस्ता पर गवाह पर दबाव डालने का आरोप भी लग चुका है। कहा जाता है कि 2004 में चर्चित बेस्ट बेकरी मामले में उसने एक प्रमुख गवाह कुछ खास बयान देने के लिए दबाव डाला था। तीस्ता का एक पूर्व सहयोगी शपथपत्र देकर आरोप लगा चुका है कि दंगों से संबंधित पांच संवेदनशील मामलों में गवाहों के बयान के रूप में दर्ज साक्ष्यों से छेड़छाड़ की गई थी। 2009 में एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया था कि एसआईटी के अनुसार तीस्ता ने हिंसा के कुछ मामले यूं ही गढ़ लिए। काल्पनिक घटनाओं के झूठे गवाह सिखा-पढ़ा कर खड़े कर दिए गये थे। कुल मिलाकर कर तीस्ता 'शौय-गाथा' खासी लंबी है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सही कहा है कि नरेंद्र मोदी 18-19 साल तक अपमान सहते रहे। दुष्प्रचार के इस अभियान में तीस्ता सीतलवाड़ का एनजीओ, कुछ पत्रकार और विरोधी राजनीतिक दलों की तिकड़ी शामिल थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस, लालू यादव और वामदलों पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला विपक्षी दलों के लिए बड़ा झटका है। तीस्ता के पास अपने बचाव में बोलने के लिए क्या है? मोदी और भाजपा के विरूद्ध झूठ से भरे उसके शरारती अभियान से दुनिया भर में भारत की छवि खराब हुई थी। अब जरूरी है कि उन सभी चेहरों को बेनकाब किया जाए तीस्ता के पल्लू की आड़ में लोकतंत्र के साथ किए जा रहे घोर पाप में सहभागी थे। ऐसे दंदी-फंदी लोग सिर्फ मोदी अकेले के अपराधी नहीं हैं, इन्होंने झूठे आरोप लगा कर न्यायपालिका और देशवासियों को गुमराह करने की कोशिश है। इन्हें कान पकड़ कर दण्डित किया जाना चाहिए। (लेखक-अनिल बिहारी श्रीवास्तव/ ईएमएस)

143 वर्षीय हो गया भारतीय पोस्ट कार्ड

लाखो करोड़ो परिवारों की खुशियाँ ,प्रेम,स्नेह,ओर सुख दुःख के संदेशो का वाहक रहा हमारा पोस्ट कार्ड जिसने परिवारों को सदा जोड़ा हि है ।

आज हमारा *भारतीय पोस्ट कार्ड* 143 वर्ष का हो गया है सदियों पूर्व आरम्भ सफर से आज के आधुनिकतम युग ने भी इसका हमारे बिच होना इसकी महत्ता ओर उपयोगिता को दर्शाता है ।

अत्यधिक तेजी से दौड़ती भागती जीवन शैली मे आधुनिक संचार प्रणाली इंटरनेट के आ जाने से सूचना ,संदेश, हालचाल पाने ओर देने की गति दुगनी हो गई ओर इन सभी मे व्हाट्सएप, ईमेल,ट्वीटर,एस एम एस,इंस्टा,फेसबुक चैट की भूमिका प्रमुख हो गई है किन्तु एक दौर था जब शान्ति से बैठ तोल मोल कर गुढ प्रभावी अपने शब्दों को एहसास,प्रेम,अपनत्व रूपी श्याही से ठपोस्ट कार्डठ पर लिख अपने प्रियजनों को भेजा जाता था ओर नजाने कितने घरों मे अधीरता से पोस्ट कार्ड की बाट जोही जाती थी । कई बार तो डाकिया के हाथो मे कार्ड देख कर हि घर के लोग खुशी से झूम जाते तो कभी फुट फुट कर बिलख पड़ते थे ।क्युकी कुमकुम रोली लगा कार्ड खुशियों का ओर कोना फटा कार्ड दुःख की सूचना का घोतक होता है ।

मोट आयताकार गत्ते के टुकड़े के अ ा ल ा ा ठ ा ा लकड़ी,ताम्बा,कपड़ा,नारियल,चमड़े आदि से निर्मित भाँती भाँती के पोस्ट कार्ड का प्रचलन हुवा था । कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी की पोस्ट कार्ड ने जैसा देश वैसा भेष बना लिया ।रूप रंग आकार बदलते हमारे पोस्ट कार्ड की सुंदर ओर अविस्मरणीय यात्रा को अस्तित्व मे लाने का विचार सर्वप्रथम आष्ट्रीयाई प्रतिनिधि कोलबेस्टिनर के मानस पटल पर 01 जुलाई 1869 को आया था । इस बारे मे उन्होंने विनर न्योस्टन मे सैन्य अकदमी मे अर्थशास्त्र के प्रोफ़ेसर डॉ एमेन्यूल हमेंन को बताया उन्हे भी यह विचार अत्यधिक रोचक लगा ओर 26 जनवरी 1869 को स्थानीय समाचार पत्र मे इस सम्बन्धी लेख लिखा ।

आष्ट्रीया के डाक मंत्रालय ने इसपर त्वरित कार्य किया ओर पोस्टकार्ड की पहली प्रति 01 अक्टूबर 1869 मे जारी की गई ,यही से पोस्टकार्ड की सुखद रोमांचक यात्रा आरम्भ हुई जिसे विश्व ने हाथो हाथ लिया।

पोस्टकार्ड का जितना सिमित आकर आज दिखता है उससे कई गुना अधिक इसकी असिमित कहानी है । प्रत्येक देश के साथ पोस्ट कार्ड की अपनी कहानी है इसे गूगल पर पोस्टकार्ड विकी पीडिया आदि से जाना जा सकता है ।हम अपने भारत वर्ष की बात करे तो 01 जुलाई 1879 का वह प्यारा सा दिन था जब पोस्टकार्ड का चलन हमारे देश मे आरम्भ हुवा ।यूँ तो पहला पोस्ट कार्ड पिलेरंग का जन्मा था । किन्तु भारत मे इसका नविन रूप हलके भूरे रंग का हुवा करता था जिसपर इस्ट इंडिया छपा था बिच मे ग्रेट ब्रिटेन का राजचिन्ह मुद्रित था ओर ऊपर की तरफ दोनो कोनो मे लाल भूरे रंग मे तसज पहने महारानी विकटोरिया की मुखकृति छपी थी ।बाद मे पोस्टकार्ड मे बदलाव आते रहे किन्तु इसके पसंद करने वालों की कनि नहीं रही ।

जब किसी अपने सम्बन्धी को डाक शुल्क के भार से मुक्त रखते हुवे उत्तर प्राप्त करना होता था तो कार्ड के साथ जुड़ा हुवा जवाबी कार्ड पर अपना पता लिख भेजा जाता था ।

भारत मे मात्र 03 पैसे के दाम वाला पोस्ट कार्ड 143 वर्ष की लम्बी यात्रा के बाद भी सामान्य मूल्य 50 पैसे हि है ।

14 सेमी लम्बा ओर 09 सेमी की चौड़ाई वाले पोस्ट कार्ड की जानकारी हमे भारतीय डाक सेवा की वेबसाइट पर सर्च करने से तिन प्रकार के पोस्टकार्ड उपलब्ध होते है ,एक सामान्य पोस्टकार्ड, दूसरा प्रिंटेड पोस्ट कार्ड ,ओर तीसरा मेघदूत पोस्ट कार्ड दिखता है ।

हमारे देश मे आज भी आम जन मानस कोई विशेष मांग सुझाव आदि हेतु प्रदानमंत्री को पोस्टकार्ड लिख अपनी मनुहार करते जनसमर्थन देते है विश्व के सबसे विशाल परिवार यानी रेडिओ श्रोता आज भी पोस्ट कार्ड का उपयोग अपनी पसंद के कार्यक्रमों मे गीत सुनवाने का निवेदन करते है तो अच्छे कार्यक्रमों की प्रशंशा ,समीक्षा ओर सुझाव,शिकायत लिखते है। यही बात वे समाचार पत्रों के लिए भी पोस्टकार्ड के माध्यम से भेजते है ।

पोस्टकार्ड के अध्ययन ,संग्रहण की विधा को आज डेल्टियोलोजी कहा जाता है ।

पोस्ट कार्ड के उलाहने किस्से आज भी मन को भवविभोर कर देते है ठअरे भाई दस पैसे का पोस्ट कार्ड हि डाल देते ठ या फिर विवाह पश्चात दूर गाँव,शहर की बेटी को जब अपनी माँ का लिखवाया गया कार्ड मिलता था तो उसे यूँ लगता था मानो कार्ड मे माँ समाई हुई है , अनपढ़ माँ न जाने किस किस से मनुहार कर कार्ड लिखवाती थी तो वही बेटी के ससुराल से आया कार्ड छोटे भाई बहन ओर माँ के लिए अनमोल हुवा करता था । पोस्टकार्ड को माँ अपनी छाती से यूँ लगा लेती थी मानो पोस्टकार्ड मे बेटी समाई हुई है ।

अपनों के दिवंगत हो जाने का समाचार कार्ड ने सदैव देरी से हि पहुंचाया जिसका कोना फटा होता था ओर इसे कभी भी घर मे प्रवेश नहीं मिला वही पोस्टकार्ड प्रेमियों के हाथ मे कभी नहीं चढ़ा किन्तु दोस्ती का दमन सदैव थामे रखा था ।

लाखो लाख किस्से इससे जुड़े हुवे है ।

समय के साथ बदलना आवश्यक है किन्तु अपने मे भी बदलाव कर अपना अस्तित्व बचाये रखना महत्वपूर्ण है ।

आज भारतीय पोस्टकार्ड 143 वे जन्म दिवस पर इसे पसंद करने वालों के साथ आप सभी को हार्दिक बधाई ।

आत्याधुनिक तीव्रगामी, त्वरित उत्तर प्राप्ति वाली इंटरनेट सेवा के चलते पोस्टकार्ड का चालन बहुत कम हो गया (इसके साथ पत्र लेखन की विधा भी अस्ताचल की ओर मुड़ गई है) ओर पोस्टकार्ड अब अपनी अंतिम सांसे गिनराहा है किन्तु इस बस्त मे कोई शंशय नहीं की ठअन्दज-ए-बयाठ का यह सबसे सस्ता ,सरल,सुखद माध्यम है ।

आज भी किसी अपने को पोस्ट कार्ड लिखिए ओर उनके साथ स्वयं भी सुखद अनुभूति का आनंद लीजिये । (लेखक-ईएमएस/मनीष निमाड़े)

आज का इतिहास 2 जुलाई

1566 जाने माने भविष्यवक्ता नास्त्रेदमस का निधन.
1819 ब्रिटेन में कारखाना अधिनियम पारित हुआ, जिसमें 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को नौकरी देने पर प्रतिबंध का प्रावधान रखा.
1853 रूस ने तुर्की पर हमला किया, जिससे क्रीमिया युद्ध भड़क उठा.
1881 अमेरिका के राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड को वाशिंगटन में गोली मारकर घायल कर दिया गया उनकी मौत सितम्बर में हुई.
1972 भारत और पाकिस्तान ने शिमला समझौते पर हस्ताक्षर किए.
1976 उत्तर और दक्षिण वियतनाम एक हुए.
1983 कल्पक्कम परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पहले एकांश ने काम शुरु किया.
1985 आंद्रेई ग्रेमिकी सोवियत संघ के राष्ट्रपति बने.
1990 मक्का में भगदड़ मची, एक हजार से अधिक हज यात्री मारे गए.
2000 सऊदी अरब और कुवैत में गैस तेल भंडारों के विभाजन के बारे में महत्वपूर्ण समझौता हुआ.
2002 तीन संगठनों तमिलनाडु लिबरेशन आर्मी, तमिल नेशनल रिट्रीवल ट्रूप्स तथा अखिल भारतीय नेपाली एकता समाज को पोटा के तहत गैर कानूनी संगठन घोषित किया गया.
2003 आंध्र प्रदेश के वारंगल के निकट गोलकुंडा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त, 20 लोग मरे.

शब्द पहेली - 7334

बाएँ से दाएँ
1. अपनत्व,अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद,लाख-2
7. पति,शौहर-3
8. जंगल,अरण्य-3
10. उत्साह,ललक-2
11. प्रलय,आफत-3
12. ईश्वर,रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा,कपट-2
18. दृष्टि,निगाह-3
20. स्वदेश,मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय,जीत-3
24. आत्मबलिदानी,साहसी-5

ऊपर से नीचे
1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा,क्षण-2
3. गिरावट,अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल,दुर्बल-4
8. असरदार,प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग,अनुरोध-5
15. बलवा,गदर-4
19. विष,गरल-3
21. अस्तर,स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7333 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

एंडरसन ने भारत के खिलाफ अपने सौ विकेट पूरे किये

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने भारत के खिलाफ यहां हुए एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले ही दिन अपने विकेटों का शतक पूरा किया। एंडरसन ने भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को आउट कर भारतीय टीम के खिलाफ अपने 100 विकेट पूरे किये। एंडरसन की इस खास उपलब्धी पर महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी उन्हें बधाई दी है। एंडरसन अभी इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। इसके अलावा वह टेस्ट क्रिकेट की दुनिया में सर्वाधिक सफलता प्राप्त करने वाले तीसरे खिलाड़ी और तेज गेंदबाज के रूप में सबसे अधिक सफलता प्राप्त करने वाले पहले गेंदबाज हैं।

भारतीय महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका को हराया

पालेकल (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मेजबान श्रीलंका को पहले ही एकदिवसीय मुकाबले में 4 विकेट से हरा दिया। इस मैच में श्रीलंकाई टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.2 ओवर में 171 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने जीत के लिए मिले लक्ष्य को 38 ओवर में ही 6 विकेट पर 176 रन बनाकर हासिल कर लिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने 3 मैचों की एकदिवीय सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा 44 रन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बनाए। सलामी बल्लेबाज ओपनर शेफाली वर्मा ने ने 35 जबकि हरलीन देओल ने 34 रन बनाये। प्लेयर ऑफ द मैच रही दीप्ति शर्मा ने 22 और पूजा वस्त्राकर ने 21 रन बनाये। पूजा ने रणसिंघे के पारी के 38वें ओवर की पहली गेंद पर छक्का लगाया और फिर अंतिम गेंद पर भी छक्का लगाते हुए टीम को 4 विकेट से जीत दिला दी। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की ओर से इनोका रणवीरा ने 39 रन देकर 4 विकेट जबकि ओशादी रणसिंघे ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय महिला टीम को शुरुआती झटका दूसरे ही ओवर में स्मृति मंधाना 4 रनों पर ही आउट हो गयीं। यास्तिका भाटिया भी 1 रन ही बना पायीं। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत ने पारी संभाली। हरमनप्रीत और हरलीन ने फिर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 62 रन की साझेदारी की

ईसीबी ने रुट को चांदी का बल्ला देकर सम्मानित किया

एजबेस्टन (ईएमएस)। यहां आज भारत के साथ शुरु हुए एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने टीम के पूर्व कप्तान जो रूट को एक चांदी का बल्ला देकर सम्मानित किया। पूर्व टेस्ट कप्तान रूट ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट में अपने 10 हजार रन पूरे किए थे।

रूट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में छह पारियों में 99 की औसत से 396 रन बनाए थे। उन्होंने इस दौरान दो शतक और एक अर्धशतक लगाये। उन्हें अपनी बल्लेबाजी के कारण न्यूजीलैंड के डेरिल मिशेल के साथ संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ द सीरीज भी बनाया गया था।

रूट का अगर टेस्ट रिकॉर्ड देखें तो वह 120 मैचों में 10285 रन बना चुके हैं। उनका औसत 50.17 बना हुआ है। इस बल्लेबाज ने अब तक 27 शतक और 54 अर्धशतक बनाये हैं। वहीं भारत के खिलाफ 24 मैचों में 60 की औसत से 2353 रन बनाये हैं।

सिंधू मलेशिया ओपन में हारी, यिंग सेमीफाइनल में पहुंची

कुआलालंपुर (ईएमएस)। भारत की बैडमिंटन स्टार पी वी सिंधू मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में हार के साथ ही बाहर हो गयी हैं। सिंधू को महिला एकल क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग ने तीन गेम तक चले एक मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सिंधू यहां यिंग के खिलाफ पहले गेम को जीतने के बाद अपनी लय नहीं बनाये रख पायीं और 21-13, 15-21, 13-21 से हार के साथ ही बाहर हो गयीं। इसी के साथ ही दोनों की जीत हार का रिकॉर्ड भी 16-5 हो गया है।

सिंधु ने क्वार्टर फाइनल के शुरुआती गेम में 2-5 से पिछड़ने के बाद 11 अंक हासिल कर अच्छी वापसी की। वहीं यिंग ने ने इसके बाद लंबी रैलियां खेलकर प्रतियोगिता में वापसी के प्रयास किये पर सिंधू ने उसे विफल कर दिया। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे गेम में भी अच्छी शुरुआत की पर यिंग ने वापसी करते हुए ब्रेक तक अपनी बढ़त को 11-3 कर लिया। वहीं छोर बदलने के बाद यिंग ने अपनी बढ़त को 14-3 कर दिया। सिंधू ने वापसी की और 17-15 के स्कोर के साथ विरोधी खिलाड़ी की बढ़त को दो अंक तक सीमित कर दिया। यिंग ने इसके बाद सिंधू को कोई और अवसर नहीं दिया और चार अंक हासिल कर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। तीसरे गेम की शुरुआत में दोनों के बीच करीबी मुकाबला हुआ पर इसके बाद यिंग हावी हो गयीं और उन्होंने मैच लिया।

विंबलडन टेनिस में किर्गियोस पर लगा सबसे बड़ा जुर्माना

विम्बलडन (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस पर विम्बलडन टेनिस मुकाबले में खेल भावना के विपरीत व्यवहार करने के लिए 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। यह टूर्नामेंट में अभी तक का लगाया गया सबसे बड़ा जुर्माना है। किर्गियोस ने इस मैच के पहले ही दौर में गुस्से से एक दर्शक की ओर थूक दिया था हालांकि मैच के बाद मीडिया से बात करते हुए इस खिलाड़ी ने खेद जताते हुए कहा कि उसने परेशान कर रहे एक दर्शक की ओर थूका था।

ऑल इंग्लैंड क्लब ने मैच के दौरान किर्गियोस पर लगाये गये जुर्माने की राशि की घोषणा कर दी है। किर्गियोस के अलावा एलेक्जेंडर रिट्सचार्ड पर भी 5,000 डॉलर का जुर्माना लगा गया है। रिट्सचार्ड पर भी क्वालीफाइंग में पहले दौर के मैच में ही खेल भावना के विपरीत आचरण का अरोप लगा था। वहीं विपरीत आचरण और आपत्तिजनक बातें कहने वाले अन्य सात खिलाड़ियों पर तीन-तीन हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया है। रैकेट पटकने वाली दारिया साविले सहित कुल पांच महिला खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगाया गया है।

ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका को दस विकेट से हराया , लायन ने कपिल को पीछे छोड़ा

गाले (ईएमएस)। स्पिनर नाथन लायन के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में मेजबान टीम श्रीलंका को दस विकेट से हरा दिया। इस मैच के तीसरे दिन ऑस्ट्रेलियाई टीम को जीत के लिए केवल चार रनों का लक्ष्य मिला था जो उसे बिना किसी नुकसान के हासिल कर लिया। इस प्रकार दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में कंगारु गेंदबाजों के सामने श्रीलंकाई टीम टिक नहीं पायी और पहली पारी में 212 और दूसरी पारी में केवल 110 रनों पर ही आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से लायन ने पहली पारी में पांच जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। इसके साथ ही लायन ने भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और महान ऑलराउंडर कपिल देव के रिकार्ड को तोड़ दिया।

लायन के नाम अब 109 टेस्ट मैचों में 436 विकेट हो गए हैं जबकि कपिल ने 131 मुकाबलों में 434 विकेट लिए थे। इसके साथ ही लायन टेस्ट क्रिकेट के शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। लायन के अलावा टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों की सूची में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न 708 विकेट और ग्लेन मैक्ग्रा 563 शामिल हैं। वॉर्न सबसे ज्यादा विकेट के मामले में दूसरे जबकि मैक्ग्रा 5वें नंबर पर है।

लायन अब दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन और भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पीछे छोड़ सकते हैं। स्टेन के नाम 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट है जबकि अश्विन ने 86 टेस्ट मैचों में 442 विकेट है। अश्विन आठवें और स्टेन 9वें नंबर पर है।

डायमंड लीग : नीरज ने 89.34 मीटर भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया

स्टॉकहोम (ईएमएस)। ओलंपिक स्वर्ण विजेता भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने स्वीडन में जारी डायमंड लीग चैम्पियनशिप में 89.34 मीटर भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। नीरज ने करीब 15 दिन पहले ही फिनलैंड में आयोजित पावो नुरमी खेलों में 89.30 मीटर से ज्यादा दूर तक भाला फेंककर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। नीरज ने इस प्रकार भाला फेंक में दूसरी बार 89 मीटर का आंकड़ा छुआ है।

नीरज का इस शानदार प्रदर्शन से इसी माह होने वाले विश्व चैंपियनशिप के लिए मनोबल बढ़ेगा। अमेरिका में होने वाली विश्व चैम्पियनशिप से पहले नीरज चोपड़ा के लिए यह सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसमें टोक्यो ओलंपिक के तीनों पदक विजेता शामिल होंगे। नीरज ने अबतक 7 डायमंड लीग खेली हैं। इसमें तीन 2017 में और चार 2018 में खेली थी।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई (ईएमएस)। मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गयी। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में यह गिरावट रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के शेयरों के नीचे आने के अलावा दुनिया भर के बाजारों से मिले नकारात्मक संकेतों से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 111.01 अंक करीब 0.21 फीसदी की गिरावट के साथ ही 52,907.93 पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 28.20 अंक तकरीबन 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ ही 15,752.05 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 7.25 फीसदी की गिरावट आरआईएल के शेयरों में हुई। इसके अलावा पावरग्रिड, एनटीपीसी, भारती एयरटेल, मारुति, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर गिरे। वहीं दूसरी ओर आईटीसी, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टीसीएस और एचडीएफसी के शेयर बढ़े हैं। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू बाजार से प्रतिकूल संकेतों के कारण रुपये में कमजोर रुख और तेल रिफाइनरियों में बिकवाली से बाजार पर दबाव आया है। कारोबार के दौरान आईटीसी, बजाज फाइनेंस , बजाज फिनसर्व, ब्रिटेनिया और सिप्ला के शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वहीं दूसरी ओर ओएनजीसी , रिलायंस इंडस्ट्रीज , पावर ग्रिड कारपोरेशन , बजाज ऑटो और भारती एयरटेल के शेयरों को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

इससे पहले गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जून के महीने में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 1.44 लाख करोड़ रुपये हो गया जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 56 फीसदी अधिक है। केंद्र सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में पांच फीसदी की बढ़ोतरी की है। आयात शुल्क को 7.5 फीसदी से बढ़ाकर 12.5 फीसदी कर दिया है। सरकार के आयात शुल्क बढ़ाने से देश में सोने की बढ़ेंगी। . सरकार ने यह कदम देश में सोने की मांग को घटाने के लिए उठाया है।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो टोक्यो, सोल और शंघाई के बाजार गिरकर बंद हुए। यूरोपीय शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे जबकि गत दिवस अमेरिकी बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर तेल की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 1.90 फीसदी उछलकर 111.1 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पहुंच गया है।

हांगकांग के लिए अपनी ''एक देश, दो प्रणाली नीति का शी चिनफिंग ने बचाव किया

हांगकांग (ईएमएस)। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने हांगकांग के लिए अपनी ''एक देश, दो प्रणाली'' नीति का शुक्रवार को बचाव कर अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य देशों के उन आरोपों का खारिज कर दिया, जिसमें दावा किया गया है कि चीन ने इस नीति के जरिए 50 वर्ष के लिए हांगकांग को स्वतंत्रता एवं स्वायत्तता देने के वादे को कमजोर किया है। हांगकांग को चीनी शासन को सौंपने की 25वीं वर्षगांठ के मौके पर चिनफिंग गुरुवार को यहां पहुंचे। ब्रिटेन ने एक जुलाई, 1997 को हांगकांग चीन को लौटा दिया था। कोरोना के प्रकोप के कारण करीब ढाई साल बाद शी हांगकांग की यात्रा पर आए हैं। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में शी ने कहा, एक देश, दो प्रणाली'' की नीति ने सार्वभौमिक रूप से सफलता प्राप्त की है।

यह नीति हांगकांग को उसके स्वयं के कानून और अपनी सरकार बनाने का अधिकार देती है। शी ने कहा, इस तरह की सफल व्यवस्था को बदलने के लिए कोई वजह मौजूद नहीं है, बल्कि इसे लंबे समय तक कायम रखना चाहिए। उनका यह बयान हांगकांग के लोगों को आश्वस्त करने का एक प्रयास प्रतीत होता है कि 50 वर्ष के बाद भी हांगकांग की स्वतंत्रता कायम रहेगी। उन्होंने आगाह किया कि हांगकांग के मामलों में विदेशी हस्तक्षेप या देशद्रोहियों के प्रति कोई सहिष्णुता नहीं बरती जाएगी। उन्होंने कहा कि '' राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास के हितों की रक्षा करना'' सर्वोच्च प्राथमिकता है। शी ने कहा, दुनिया को कोई भी देश या क्षेत्र विदेशी या देशद्रोही ताकतों को सत्ता पर कब्जा करने की अनुमति नहीं देगा। शी आखिरी बार इस खास दिन का जश्न मनाने एक जुलाई 2017 को हांगकांग आए थे। चिनफिंग के नेतृत्व में, चीन ने विरोध प्रदर्शनों पर नकेल कसने और असंतोष को शांत करने के लिए सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने, स्कूलों में 'देशभक्ति' संबंधी पाठयक्रम शुरू करने और चुनाव कानूनों में बदलाव करने सहित हांगकांग में कई बदलाव किए हैं। इससे पहले, शी ने इस खास मौके पर जॉन ली को हांगकांग के नए नेता के रूप में शुक्रवार को शपथ दिलाई। ली, एक पूर्व सुरक्षा अधिकारी हैं। शहर में 2019 के लोकतंत्र समर्थक प्रदर्शनों के बाद से असंतोष जताने वाली घटनाओं पर कार्रवाई उनकी निगरानी में ही की गई।

रूस ने काला सागर बंदरगाह के पास मिसाइलों की बारिश की

कीव (ईएमएस)। रूस-यूक्रेन में जार युद्ध थम नहीं रहा है। रूसी सेना लगातार हमले करने पर लगी है। इसके तहत रूस ने ओडेसा के यूक्रेन के काला सागर बंदरगाह के पास मिसाइलों की बारिश कर दी। एक अपार्टमेंट की इमारत और एक रिसार्ट को हमले में रूसी सेना ने बर्बाद कर दिया। इस हमले में यूक्रेन के 18 लोगों की मौत हो गई। यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं द्वारा जारी तस्वीरों में दिखाया गया है कि यूक्रेन के दमकलकर्मी इमारत के मलबे के नीचे दबे लोगों की तलाश कर रही है। 24 फरवरी से रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए आक्रमण के बाद से हजारों नागरिक मारे गए हैं। बता दें कि एक दिन पहले ही रूस ने स्नेक आइलैंड से अपने सैनिकों को वापिस ले लिया है। यह आइलैंड एक उजाड़ लेकिन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर है जिसे रूस ने युद्ध के पहले दिन जब्त कर पूर्वोत्तर काला सागर को नियंत्रित करने के लिए इस्तेमाल किया था।

वहीं रूस द्वारा स्नेक आइलैंड से सेना को वापिस लेने के निर्णय को राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक रणनीतिक जीत बताया है। साथ ही जेलेंस्की ने दावा किया कि उनकी सेना कदम दर कदम, रूसी सेना को अपने समुद्र, अपनी जमीन से पीछे धकलने वाले हैं। लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग कर ओडेसा पर हमला उस समय हुआ, जब रूस ने स्नेक आइलैंड से अपने पैर पीछे खीचे हैं। रूसी सेना ने इससे पहले भी कई हमले किए हैं। हाल ही में एक भीड़ भरे शापिंग माल में कम से कम 19 लोग मारे गए थे। वहीं मिसाइल अटैक करने वाले मास्को का कहना है कि वह सैन्य ठिकानों पर हमला कर रहा था। कीव ने हमलों को युद्ध अपराध बताया है।

नाटो ने तेजी से बदलते सुरक्षा हालात के अनुसार बदलाव को अपनायाः बाइडेन

मैड्रिड (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा कि नाटो सैन्य गठबंधन ने दुनियाभर में तेजी से बदलते सुरक्षा हालात के अनुरूप खुद को ढालकर बदलाव को अपनाया है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के एक सम्मेलन के समापन पर आयोजित पत्रकार वार्ता में बाइडन ने कहा ?कि मेरा मानना है कि हम सब इस बात को मानेंगे कि यह एक ऐतिहासिक नाटो सम्मेलन रहा है। बाइडन ने कहा कि इससे पहले नाटो ने अपनी रणनीतिक अवधारणा को 12 साल पहले अद्यतन किया था जिसमें रूस को साझेदार के तौर पर अंकित किया गया था और दस्तावेज में चीन का उल्लेख भी नहीं था। उन्होंने कहा ?कि तब से दुनिया बहुत बदल गई है। बाइडन ने कहा ?कि यह सम्मेलन हमारे गठबंधनों को मजबूत करने और हमारे सामने आ रहीं चुनौतियों से निपटने के बारे में था। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने शिखर सम्मेलन में कहा कि उनका प्रशासन जल्द ही रूस के आक्रमण से लड़ने के लिए यूक्रेन को 80 करोड़ अमेरीकी डालर की सुरक्षा सहायता प्रदान करेगा। बाइडन ने कहा कि नई सहायता में उन्नत वायु रक्षा प्रणाली, काउंटर बैटरी रडार और हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम या एचआईएमएआरएस के लिए अतिरिक्त गोला बारूद शामिल होगा, जिसे प्रशासन पहले ही यूक्रेन भेज चुका है।

जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई सुस्ती

मुंबई (ईएमएस)। जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में थोड़ी सुस्ती आई है। पीएमआई से इसका संकेत मिला है। यह इंडेक्स जून में थोड़ा गिरकर 53.9 पर आ गया। मई में यह 54.6 था। हालांकि पीएमआई 50 के ऊपर बने रहने का मतलब एक्टिविटी में एक्सपैंशन है। इसके 50 से नीचे रहने पर एक्टिविटी में कॉन्ट्रैक्शन का संकेत मिलता है। अच्छी बात यह है कि पीएमआई लगातार 12वीं बार 50 से ऊपर रहा है। जून में इंडियन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रिकवरी जारी रही। डोमेस्टिक और इंटरनेशनल क्लाइंट की मजबूत मांग से ऐसा हुआ। हालांकि कीमतों पर बहुत दबाव की वजह से टोटल सेल्स और प्रोडक्शन की ग्रोथ थोड़ी कम रही। कोरोना की महामारी 2020 में शुरू होने के बाद इंडियन इकोनॉमी में गिरावट देखने को मिली थी। अब इकोनॉमी में रिकवरी आ रही है। आरबीआई ने इस फाइनेंशियल ईयर में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। प्रोडक्शन, फैक्ट्री ऑर्डर, पर्चेजेज स्टॉक और एंप्लॉयमेंट में कम वृद्धि की वजह से जून में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई की ग्रोथ कम रही। उधर, केंद्रीय बैंक ने कहा है कि इकोनॉमी में रिकवरी तो आ रही है लेकिन अब भी इसमें कई बाधाएं हैं। इनमें वैश्विक स्थितियां और फाइनेंशियल मार्केट्स में उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

सनकी तानाशाह का दावा, उत्तर कोरिया का पहला कोविड केस एलियन ने फैलाया

प्योंगयांग (ईएमएस)। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपने अजीब फैसलों और बयानों को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। किम ने कोरोना को लेकर ऐसा दावा और लॉजिक दिया कि आप अपना सिर पकड़ लें। तानाशाह ने दावा किया है कि देश में पहला कोविड केस एलियन ने फैलाया है। तानाशाह ने अपने दावे में कहा है कि दक्षिण कोरिया की सीमा के पास से एलियंस ने गुब्बारें में वायरस भरकर फेंका था। जिससे उनके देश में कोरोना वायरस फैला।

रिपोर्ट के मुताबिक, किम जोंग का कहना कि जांच के बाद पाया गया है कि गुब्बारों में वायरस भरकर एलियंस ने द.कोरिया की सीमा के पास से उसके देश में कोरोना वायरस को फैलाया है। वहीं, अपने जांच परिणामों की घोषणा करने के बाद उत्तर कोरिया ने 'सीमा रेखा और सीमाओं के साथ के क्षेत्रों में हवा और अन्य जलवायु घटनाओं और गुब्बारों से आने वाली विदेशी चीजों से सतर्कता से निपटने का आदेश दिया है।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने कहा है, '18 साल का एक सैनिक और पांच साल का एक किंडरगार्टनर अप्रैल की शुरुआत में कुमगांग के पूर्वी काउंटी में बैरकों और आवासीय क्वार्टरों के आसपास अज्ञात सामग्रियों के संपर्क में आए थे। उसके बाद ही उनमें कोरोना के लक्षण दिखाई देने शुरू हुए थे। फिर पूरे देश में देखते ही देखते कोरोना विस्फोट हो गया। सरकारी मीडिया ने कहा, जांच के परिणामों से पता चला है कि अप्रैल के मध्य में कांगवोन प्रांत के कुमगांग काउंटी के इफो-री के क्षेत्र से राजधानी शहर में आने वाले कई व्यक्ति बुखार से संक्रमित थे और उनके संपर्कों में बुखार के मामलों में तेज वृद्धि देखी गई थी।

मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को तलाशने के लिए नासा का मिशन, आप भी कर सकते हैं मदद

वॉशिंगटन (ईएमएस)। चांद और मंगल से जुड़ी जानकारियां हमेशा से ही वैज्ञानिकों और हमारे लिए दिलचस्प रही हैं। मंगल ग्रह पर जीवन की संभावना को तलाशने के लिए दुनियाभर की स्पेस एजेंसियां अपने मिशन चला रही हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और चीन की स्पेस एजेंसी इसमें सबसे आगे हैं। नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह के वायुमंडल से जुड़ा एक रहस्य सुलझाने में जुटे हैं। खास बात यह है कि इसमें आप भी उनकी मदद कर सकते हैं।

इसके लिए नासा ने अपने सिटीजन साइंस प्लेटफॉर्म जूनिवर्स पर एक प्रोजेक्ट ऑर्गनाइज किया है। 'क्लाउडस्पॉटिंग ऑन मार्स नाम के प्रोजेक्ट में लोगों को मंगल ग्रह पर बादलों की पहचान करने का मौका मिलता है। नासा का मानना है कि लोगों ने लिए उन्हें आंखों से पहचानना आसान है।

माना जाता है कि अरबों साल पहले मंगल पर झीलें और नदियां हुआ करती थीं। उस समय मंगल ग्रह का वातावरण मोटा था। वैज्ञानिक समझना चाहते हैं कि वक्त के साथ ग्रह ने अपना वातावरण कैसे गंवा दिया। अगर आप नासा के वैज्ञानिकों की इस प्रोजेक्ट में मदद करना चाहते हैं या खगोलविज्ञान में दिलचस्पी रख सकते हैं, तब इस लिंक पर क्लिक करके प्रोजेक्ट को जॉइन कर सकते हैं। मंगल ग्रह पर बादलों की पहचान करने और उन्हें टटोलने के लिए नासा के पास 16 साल का डेटा है। इस डेटा को मार्स रीकानिसन्स ऑर्बिटर ने जुटाया है। यह साल 2006 से मंगल ग्रह पर स्टडी कर रहा है। इस ऑर्बिटर के इंस्ट्रूमेंट ने मंगल की कई तस्वीरें ली हैं। इनमें बादल आर्च की तरह दिखाई देते हैं। नासा की टीम इन आर्च को चिह्नित करने के लिए पब्लिक की मदद ले रही है।

फिनलैंड और स्वीडन को पुतिन की धमकी, सीमा पर विदेशी सैनिकों की तैनाती ना हो

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिकी सहयोगी नाटो ने फिनलैंड और स्वीडन को सैन्य संगठन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने फिनलैंड और स्वीडन को सीमा पर विदेशी सैनिकों की तैनाती ना करने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ, तब रूस इसका करारा जवाब देगा।

हालांकि, पुतिन ने कहा अगर स्वीडन और फिनलैंड नाटो में शामिल होते है, तब उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। पुतिन ने मध्य एशियाई पूर्व सोवियत राज्य तुर्कमेनिस्तान में क्षेत्रीय नेताओं के साथ बातचीत के बाद कहा कि अगर हमारी सीमाओं पर विदेशी सेना और हथियारों की तैनाती हुई, तब हम इसका करारा जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर विदेशी सेना की तैनाती हमारे लिए खतरे का कारण बन सकती है। इसकारण हमें इसके लिए तैयार रहना होगा। पुतिन ने कहा कि पड़ोसी देशों को समझना चाहिए कि पहले इससे हमे कोई खतरा नहीं था, लेकिन अब हम उन क्षेत्रों के लिए खतरे पैदा करने वाले हैं, जहां से रुस को खतरा होगा।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर निर्यात कर लगाया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर छह रुपए प्रति लीटर की दर से कर लगाया है और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का कर लगाया गया है। एक अलग सरकारी अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की ऊंची कीमतों से उत्पादकों को होने वाले अप्रत्याशित लाभ के एवज में घरेलू रूप से उत्पादित कच्चे तेल पर 23,230 रुपए प्रति टन का अतिरिक्त कर लगाया है। निर्यात पर कर तेल रिफायनरी विशेषकर निजी क्षेत्र के लिए है जिन्हें यूरोप और अमेरिका जैसे बाजारों में ईंधन का निर्यात करने पर खासा लाभ मिलता है। वहीं घरेलू स्तर पर कच्चे तेल का उत्पादन करने पर लगाया गया कर स्थानीय उत्पादकों के लिए है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से अप्रत्याशित लाभ मिल रहा है।

अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी देना होगा 10 फीसदी टीडीएस

- एक जुलाई से टीडीएस से जुड़े नियमों में हुए बदलाव

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी 10 फीसदी के ?हिसाब से टीडीएस का भुगतान करना होगा। टीडीएस से जुड़े नियमों में बदलाव एक जुलाई से लागू हो गए हैं। नई नीति को वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में शामिल किया गया था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सेक्शन 194आर से जुड़े नए ?नियम जारी कर ?दिए हैं। नए प्रावधान उन लोगों पर लागू होंगे जो किसी को एक वित्त वर्ष में 20,000 रुपए से अधिक का मुनाफा या अन्य सुविधाएं देते हैं। यह यह भुगतान कारोबार से संबंधी लाभ या अन्य सुविधाओं के लिए होनी चाहिए। सीबीडीटी द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, वित्त वर्ष में 20,000 से अधिक के लाभ , सामग्री या भुगतान करने वाले को 10 फीसदी टैक्स काटना ही होगा। दिया गया लाभ नगदी है या कोई अन्य भौतिक सामग्री या दोनों का मिक्स, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह मुनाफा, लोन माफी, ?रेंट फ्री निवास स्थान, फर्नीचर, जमीन, कार या अन्य गिफ्ट हो सकते हैं।

हालांकि, एमआरपी पर दी जाने वाली छूट और रीबेट को इससे बाहर रखा गया है। सर्कुलर में बताया गया है कि कुछ अन्य चीजें भी हैं जिन पर टीडीएस काटने पर विचार हो सकता है। जैसे फ्री सैंपल डिस्ट्रीब्यूशन, स्पॉन्सर्ड ट्रिप्स, इवेंट की फ्री टिकट, डॉक्टर या अन्य मेडिकल प्रैक्टिशनर को फ्री सैंपल मेडिसिन आदि इसमें शामिल हो सकते हैं। ऐसी कोई इकाई जो कारोबार नहीं करती है, जैसे सरकारी अस्पताल को लाभ दिए जाने पर टीडीएस नहीं कटेगा। अगर कोई कंपनी किसी सोशल मीडिया हस्ती या इन्फ्लुएंसर को कोई प्रोडक्ट प्रचार के लिए देती है और वह उसे अपने पास रख लेता है तो इस पर टीडीएस कटेगा। हालांकि, इस्तेमाल के बाद वापस कर देने पर टीडीएस नहीं कटेगा।

केंटकी में गर्भपात पर लगे प्रतिबंध पर अस्थायी रोकः अमेरिकी कोर्ट

लुइसविली (ईएमएस)। केंटकी में एक न्यायाधीश ने गर्भपात पर प्रांत के लगभग पूर्ण प्रतिबंध पर अस्थायी रोक लगा दी, जिससे वहां प्रक्रिया के फिर से शुरू होने का रास्ता साफ हो गया। वहीं फ्लोरिडा में एक न्यायाधीश ने कहा कि वह उस प्रांत में 15 सप्ताह के गर्भपात प्रतिबंध को प्रभावी होने से रोकेंगे। केंटकी में इस फैसले से प्रांत के उस कानून पर रोक लग गई, जिसे देश के सर्वोच्च न्यायालय के गर्भपात संबंधी संघीय संवैधानिक सुरक्षा को समाप्त करने के फैसले के बाद लाया गया था। यह मामला देश भर की अदालतों में लड़ी जा रही कानूनी लड़ाई को दर्शाता है क्योंकि उच्चतम न्यायालय ने यह तय करना प्रांतों पर छोड़ दिया कि गर्भपात उनकी सीमाओं के भीतर कानूनी है या नहीं। इसके बाद गर्भपात अधिकार समूहों को सुरक्षा के लिए प्रांतों के कानून की ओर रुख करना पड़ा। फ्लोरिडा में न्यायाधीश जॉन सी. कूपर ने कहा कि वह 15-सप्ताह के गर्भपात प्रतिबंध को अस्थायी रूप से प्रभावी होने से रोकेंगे। न्यायाधीश ने यह बात तब कही जब प्रजनन स्वास्थ्य प्रदाताओं ने इसे अदालत में चुनौती दी और कहा कि प्रांत का कानून इस प्रक्रिया के लिए अधिकार की गारंटी देता है। कूपर ने कहा कि फ्लोरिडा का प्रतिबंध असंवैधानिक है क्योंकि यह फ्लोरिडा संविधान के निजता प्रावधान का उल्लंघन करता है।

जी-20 के नेताओं की जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाली बैठक का विरोध करेगा चीन

बीजिंग (ईएमएस)। चीन ने जी-20 के नेताओं की अगले साल होने वाली बैठक जम्मू-कश्मीर में आयोजित करने की भारत की योजनाओं की खबरों पर विरोध जताकर अपने करीबी सहयोगी पाकिस्तान के स्वर में स्वर मिलाकर कहा कि संबंधित पक्षों को मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचना चाहिए। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा, हमने ताजा घटनाक्रम का संज्ञान लिया है.''

उन्होंने कहा, कश्मीर पर चीन का रुख सतत और बिल्कुल स्पष्ट है। यह भारत और पाकिस्तान के बीच पहले से चला आ रहा मुद्दा है। संयुक्त राष्ट्र के चार्टर, सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय सहमतियों के अनुरूप इसका उचित समाधान निकालना चाहिए। झाओ ने कहा, संबंधित पक्षों को एकपक्षीय कदम के साथ हालात को जटिल बनाने से बचना चाहिए। हमें बातचीत और संवाद से विवादों का समाधान करने के प्रयास करने चाहिए ताकि क्षेत्रीय शांति तथा स्थिरता कायम रहे। उन्होंने कहा कि जी-20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग के लिए प्रमुख मंच है। उन्होंने कहा, हम सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का आह्वान करते हैं कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के सतत रूप से उबरने पर ध्यान दें, इस प्रासंगिक मुद्दे को राजनीतिक रंग देने से बचें और वैश्विक आर्थिक शासन को सुधारने के लिए सकारात्मक योगदान दें।

क्या जी-20 समूह के सदस्य के नाते चीन बैठक में भाग लेगा, इस प्रश्न के उत्तर में झाओ ने कहा, ''हम बैठक में शामिल होंगे या नहीं, इस बारे में विचार करने वाले हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के विवादित क्षेत्र में चीन द्वारा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे का निर्माण और इस पर भारत की आपत्ति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''दोनों मामले बिल्कुल अलग प्रकृति के हैं। चीन ने पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था का विकास करने और वहां के लोगों की आजीविका सुधारने के लिए परियोजनाएं संचालित की हैं। उन्होंने कहा, ''कुछ परियोजनाएं कश्मीर के उस हिस्से में हैं, जो पाकिस्तान के नियंत्रण में है। परियोजनाएं चलाने वाली संबंधित चीनी कंपनियां स्थानीय लोगों की मदद के उद्देश्य से यह करती हैं, ताकि उनकी अर्थव्यवस्था में विकास और आजीविका में सुधार हो सके। झाओ ने कहा, ''इससे कश्मीर के मुद्दे पर हमारे रुख पर कोई असर नहीं पड़ा है।

पाकिस्तान ने कहा था कि कश्मीर में जी-20 के देशों की बैठक के आयोजन के भारत के प्रयास को खारिज कर उम्मीद करता है कि समूह के सदस्य देश कानून एवं न्याय के अनिवार्य तत्वों का पूरी तरह संज्ञान लेते हुए इस प्रस्ताव का स्पष्ट विरोध करने वाले है। जम्मू कश्मीर 2023 में जी-20 की बैठकों की मेजबानी करेगा। इस प्रभावशाली समूह में विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं।

सोना 1,100 रुपए महंगा, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली (ईएमएस)। सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में 5 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी कर दी जिससे सोने की कीमतों में तीन फीसदी का तगड़ा उछाल दिखा। वायदा बाजार में सोना फिर 52 हजार की ओर भाग रहा है। सोने की कीमत में 1,100 रुपए का उछाल देखा गया। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की वायदा कीमत 1,103 रुपए बढ़कर 51,620 रुपए पहुंच गई। जो करीब दो महीने का शीर्ष स्तर है। इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत 51,000 के स्तर पर खुलकर हुई थी, लेकिन आयात शुल्क बढ़ने की वजह से इसकी कीमतों में अचानक तेजी आ गई। सोना अभी पिछले बंद भाव से 2.18 फीसदी ऊपर चल रहा है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 370 रुपए चढ़कर 58,700 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। इससे पहले चांदी में कारोबार की शुरुआत 58,418 रुपए के भाव पर खुलकर हुई थी, लेकिन मांग बढ़ने की वजह से जल्द ही इसमें उछाल दिखने लगा। चांदी अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.63 फीसदी बढ़त पर चल रही है।

घरेलू बाजार में जहां सोने-चांदी की कीमतों में तेजी दिख रही है, वहीं वै?श्विक बाजार में दोनों कीमती धातुएं सस्ती हुई हैं। अमेरिकी बाजार में सोने का हाजिर भाव सुबह 1,802.63 डॉलर प्रति औंस रहा, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.23 फीसदी नीचे है, जबकि चांदी का हाजिर भाव 20.1 डॉलर रहा जो अपने पिछले बंद भाव से 0.80 फीसदी सस्ता है। ?विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से आयात शुल्क बढ़ाए जाने से खुदरा बाजार में सोने की हाजिर कीमत भी बढ़ेगी और इसमें तेज उछाल आ सकता है।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में 6.97 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली (ईएमएस)। औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में यह 6.33 प्रतिशत के स्तर पर थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि खाने-पीने के कुछ सामान महंगे होने से इसमें बढ़ोतरी हुई है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा ?कि मई में साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 6.33 प्रतिशत और पिछले साल के समान महीने में 5.25 प्रतिशत पर थी। इस दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 7.92 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने 7.05 प्रतिशत पर थी। मई, 2021 में यह 5.26 प्रतिशत थी।मई में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-औद्योगिक श्रमिक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) 1.3 अंक बढ़कर 129 अंक हो गया।

पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान को चीन के हवाले कर लिया भारी ऋण

-पीएके, पीओके को भी रख सकता है गिरवी

इस्लामाबाद (ईएमएस)। पाकिस्तान में आर्थिक संकट के चलते अर्थव्यवस्था चौपट होने के कगार पर है। कई देशों के कर्ज के बोझ तले दबा पाकिस्तान दिवालिया होने के कगार पर पहुंच चुका है। इसके बाद भी पाकिस्तान अपनी माली हालत सुधारने के लिए नया कर्ज ले रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान अब अपने दोस्त चीन से 19 हजार करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने जा रहा है। इसके बदले उसे गिलगित और बाल्टिस्तान इलाकों को चीन के हवाले करना पड़ेगा। अपनी खस्ताहाल होती आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए पाकिस्तान ने यह कदम उठाने की तैयारी कर ली है।

पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से भी पाकिस्तान को 90 हजार करोड़ रुपये की मदद मिलने की कोई उम्मीद नहीं रह गई है। ऐसे में अब पाकिस्तान अपनी सरकारी संपत्तियों और इलाकों को गिरवी रख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी आशंका है कि पाकिस्तान अपने कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के इलाकों को भी चीन को सौंप सकता है। पाकिस्तान ने गिलगित, बाल्टिस्तान और पीओके के 52 कानूनों को अपने हाथ में ले लिया है। इसके तहत पाकिस्तान सरकार को वहां की भूमि को किसी भी देश को लीज पर सौंपने का अधिकार मिल गया है। 2018 में पाकिस्तान सरकार ने गिलगित, बाल्टिस्तान और पीओके को और अधिकार देने का ऐलान किया था। गिलगित और बाल्टिस्तान के मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद खान ने पाकिस्तान सरकार पर 30 अरब रुपये की सहायता को मात्र 12 अरब रुपये करने का आरोप भी लगाया है।

कर्ज के बदले चीन पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में हुंजा इलाके से नियोबिम की बड़े पैमाने पर खुदाई कर रहा है। हुंजा में माणिक-मोती और कोयले के 120 लाख मीट्रिक टन के भंडार हैं। चीन को हुंजा में बड़ी जमीन लीज पर मिली हुई है। हाल ही में यहां के स्थानीय लोगों ने चीन को लीज जारी किए जाने के विरोध में भारी प्रदर्शन भी किया था। चीन के अलावा पाकिस्तान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भी मोटा उधार ले रखा है। अब 8 हजार करोड़ रुपये का लोन और लेने जा रहा है। इसके लिए वह 20 सरकारी कंपनियों के 12 फीसदी से ज्यादा शेयर यूएई को देगा। सऊदी अरब से भी 40 हजार करोड़ रुपये कर्ज लेने के लिए पाकिस्तान ने 2018 से अर्जी लगा रखी थी। फरवरी में ही सऊदी अरब ने पाकिस्तान को 10 हजार करोड़ का कर्ज दिया है।

बाइडन ने गर्भपात पर न्यायालय के फैसले को अस्थिर करने वाला करार दिया

मैड्रिड (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने गर्भपात के संवैधानिक अधिकार को समाप्त करने के उच्चतम न्यायालय के फैसले को अस्थिर करने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि यह विश्व मंच पर अमेरिका की स्थिति को प्रभावित नहीं करता। मैड्रिड में नाटो सहयोगियों और बवेरियन आल्प्स में सात बड़ी लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्थाओं के समूह के नेताओं के साथ चर्चा से जुड़ी पांच दिवसीय विदेश यात्रा के समापन पर बाइडन पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के आदेश का जिक्र किया जिसमें महिलाओं के लिए गर्भपात को संवैधानिक अधिकार बनाने वाले 50 साल पुराने रो बनाम वेड फैसले को पलट दिया गया था। बाइडन ने कहा ?कि अमेरिका दुनिया का नेतृत्व करने के लिए पहले से बेहतर स्थिति में है लेकिन एक चीज जो अस्थिर कर रही है, वह है अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय का अपमानजनक व्यवहार, जिसने न केवल रो बनाम वेड फैसले को खारिज किया बल्कि अनिवार्य रूप से निजता के अधिकार को भी चुनौती दी। उन्होंने कहा ?कि मैं समझ सकता हूं कि उच्चतम न्यायालय ने जो किया उससे अमेरिकी लोग निराश क्यों हैं। बाइडन ने कहा कि वह सीनेट के बाधाकारी नियमों को बदलने का समर्थन करेंगे, जिसमें अधिकतर कानूनों को पारित करने के लिए 60 वोट की आवश्यकता होती है, ताकि देशव्यापी गर्भपात सुरक्षा को साधारण बहुमत से पारित करने के लिए एक विधेयक लाया जा सके।

आरबीआई गवर्नर ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर फिर किया अगाह, बताया बड़ा खतरा

- वित्तीय प्रणाली के डिजिटल होने से बढ़ रहे हैं साइबर जोखिम, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक बार फिर अगाह किया है। दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी से खतरा है। बिना सही मूल्य के आधार पर मूल्य निकालना केवल सट्टेबाजी है। गौरतलब है कि सरकार विभिन्न हितधारकों और संस्थानों से इनपुट इकट्ठा करने के बाद क्रिप्टोकरेंसी पर एक परामर्श पत्र को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। भारतीय रिजर्व बैंक लगातार क्रिप्टोकरेंसी के बारे में अपनी चिंता जाहिर कर रहा है। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के 25वें अंक की प्रस्तावना में दास ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे वित्तीय प्रणाली तेजी से डिजिटल होती जा रही है, साइबर जोखिम बढ़ रहे हैं और इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों से सजगतापूर्वक निपटने की जरूरत होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर है। रिजर्व बैंक की 25वीं वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में यह आकलन पेश करने के साथ ही कहा गया है कि बैंकों के साथ-साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के पास भी झटके झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी बफर मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर चल रही है। हालांकि, मुद्रास्फीति के दबाव, बाहरी घटनाक्रम और भू-राजनीतिक जोखिमों के चलते हालात से सावधानी से निपटने और करीबी निगरानी रखने की जरूरत है।

रिपोर्ट कहती है कि यूरोप में युद्ध, मुद्रास्फीति के लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने और कोविड-19 महामारी की कई लहरों से निपटने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा उठाए गए मौद्रिक कदमों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अनिश्चितता भरा है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का पूंजी का जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 16.7 प्रतिशत के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया जबकि उनका सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च, 2022 में 5.9 प्रतिशत के साथ छह साल के निचले स्तर पर आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक ऋण जोखिम के लिए व्यापक तनाव परीक्षणों से पता चलता है कि एससीबी गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं का पालन करने में सक्षम होंगे।

हाइड्रोजन और हीलियम से भरा है इन ग्रहों का वायुमंडल

- पानी का होना जीवन के लिए है अनुकूल

वॉशिंगटन (ईएमएस)। ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि ये सुपर अर्थ हाइड्रोजन या हीलियम से भरपूर हैं जो हमारे रहने के लिए पृथ्वी से भी बेहतर हो सकते हैं। हमारे सौर मंडल के बाहर पृथ्वी जैसा ही कई ग्रह हैं। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार, ये एक्सोप्लैनेट चट्टानी सतह वाले हैं। शोध में पाया गया कि हाइड्रोजन और हीलियम से इन ग्रहों का वायुमंडल भरा है और इसकी सतह उतनी गर्म होगी जहां पानी अपने तरल रूप में रहे। पानी का होना जीवन के लिए अनुकूल है।

शोधकर्ताओं का मानना है कि ये ग्रह 8 अरब वर्षों तक रहने योग्य स्थिति दे सकते हैं, जहां जीवन का विकास हो सके। पृथ्वी इसकी तुलना में 4.5 अरब वर्ष पुरानी है। पृथ्वी पर अगले 1.5 अरब वर्ष तक जीवन फल-फूल सकता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि ब्रह्मांड में कुछ ग्रह हमारे ग्रह से अधिक रहने योग्य हो सकते हैं। स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने नई रिसर्च की है जो नेचर एस्ट्रोनॉमी पत्रिका में प्रकाशित हुई है। शोधकर्ताओं ने लगभगल 5000 ग्रहों का मॉडल तैयार किया। इस स्टडी के लेखकों का कहना है कि सुपर अर्थ हमारे ग्रह से बहुत कम समानता रखते हैं। उच्च दबाव पर भी यहां जीव पनप सकता है। शोध में कहा गया है कि समुद्री तलों और खाइयों की दबाव सीमा के नापने के तरीके से पता चला है कि इन ग्रहों का सतही दबाव 100-1000 बार के क्रम में है।

जीवन के पनपने को लेकर कोई सैद्धांतिक सीमा नहीं है। पृथ्वी के जीवमंडल को ही देखें तो कई जीव 500 बार पर पनपते हैं।पृथ्वी की तुलना में इन ग्रहों का वायुमंडल 100 से 1000 गुना ज्यादा मोटा है। शोधकर्ताओं का मानना है कि जेम्स वेब टेलीस्कोप इन ग्रहों पर जीवन होने की संभावना को बेहतर तरीके से खोज सकता है। अरबों साल पहले शुरुआती ब्रह्मांड में सिर्फ हाइड्रोजन और हीलियम जैसी गैसें थीं जो ग्रहों के निर्माण के लिए पर्याप्त थीं। इन्हीं से हमारे सूर्य जैसे सितारों का जन्म हुआ। पृथ्वी समेत हर ग्रह ने वायुमंडल का निर्माण किया, जिसमें हाइड्रोजन और हीलियम जरूर होते हैं।

शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई अहमदाबाद में 145वीं रथयात्रा, श्रद्धालुओं से पटी सड़कें

अहमदाबाद (ईएमएस)। अषाढी दूज के अवसर पर अपने भक्तों को दर्शन देने निकले भगवान जगन्नाथजी के देर रात निज मंदिर में लौटन के साथ ही 145वीं रथयात्रा हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई। सुबह 7.00 बजे नगर यात्रा पर निकले भगवान जगन्नाथजी लाखों श्रद्धालुओं को दर्शन देते हुए रात करीब 8.15 बजे निज मंदिर लौट आई। अहमदाबाद के जमालपुर क्षेत्र स्थित जगन्नाथजी के मंदिर में शुक्रवार की सुबह केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने तड़के मंगला की। मंगला आरती के बाद भगवान को खीचड़ी, कद्दू, गुवार फली और दही का विशिष्ट भोग लगाया गया। जिसके पश्चात भगवान जगन्नाथजी, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलरामजी अलग अलग तीन रथों पर बिराजमान हुए। भगवान के रथ में सवार होने के बाद राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने पहिन्द, सोने की झाड़ू से रास्ते की प्रतीकात्मक सफाई की और 145वीं ऐतिहासिक रथयात्रा का प्रारंभ करवाया। सुबह 7.00 बजे प्रारंभ हुई जगन्नाथजी की रथयात्रा में 16 गजराज, भारतीय संस्कृति की दर्शन कराते 101 ट्रक और टेब्लो, 30 जितने अखाड़े, 18 भजन और रास मंडलियां, 3 म्यूजिकल बैंड, 1200 खलासी और देश के विभिन्न तीर्थ स्थलों से आए 2500 से भी ज्यादा साधु-संतों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल हुए। शहर के मार्ग पर भगवान जगन्नाथजी के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। जय रणछोड़-माखन चोर के गगनभेदी जयकारे से समूचा शहर गूंज उठा। जमालपुर से सुबह प्रारंभ हुई भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा शहर के जमालपुर चकला, वैश्यसभा, गोल लीमडा होते हुए अहमदाबाद महानगर पालिका कचहरी पहुंची। जहां अहमदाबाद के महापौर किरीट परमार ने रथयात्रा समेत जगन्नाथजी मंदिर के महंत दिलीपदासजी महाराज का स्वागत किया। मनपा कचहरी से प्रस्थान करने के बाद रथयात्रा आस्टोडिया चकला, मदन गोपाल की हवेली, रायपुर चकला, खाडिया दरवाजा, खाडिया चार रास्ता, पांचकूवा, कालूपुर सर्कल से कालूपुर ब्रिज होते हुए दोपहर को भगवान जगन्नाथजी के ननिहाल सरसपुर पहुंची। भगवान जगन्नाथजी के सरसपुर स्थित ननिहाल में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कुछ देर के विश्राम के बाद भगवान जगन्नाथजी ने निज मंदिर की ओर प्रस्थान किया और कालूपुर ब्रिज, कालूपुर सर्कल से होते हुए प्रेम दरवाजा, जोर्डन रोड, दिल्ली दरवाजा, हलीम की खड़की, शाहपुर दरवाजा, शाहपुर चकला, घीकांटा रोड, पानकोर नाका, माणेक चौक, गोल लीमडा, खमासा और जमालपुर दरवाजा से होते हुए देर रात मंदिर लौट आई। 18 किलोमीटर लंबे रूट की रथयात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं को सैलाब उमड़ पड़ा। जय रणछोड़-माखन चोर के जयकारे से शहर गली-मुहल्ले गूंज उठे। रथयात्रा के दौरान 3 हजार किलो मूंग, 500 किलो जामून, 300 आम, 400 किलो ककड़ी के अलावा चॉकलेट इत्यादि श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरण किया गया। अहमदाबाद में रथयात्रा के पूरे रूट पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। खासकर शहर के शाहपुर और दरियापुर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता रखी गई। रथयात्रा को लेकर शहर के दरियापुर और शाहपुर क्षेत्र को अतिसंवेदनशील क्षेत्र माना जाता है और इन दोनों इलाकों में सुरक्षा के खास इंतजाम किए जाते है। खासकर हाल के दिनों की कुछ घटनाएं और आतंकी हमले की धमकी को ध्यान में रखते हुए रथयात्रा की सुरक्षा में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। पहली बार पेरामोटरिंग और हेलिकॉप्टर से रथयात्रा का निरीक्षण किया गया। इस बार हाईटेक्नोलोजी के साथ 25000 से ज्यादा पुलिस जवानों की तैनाती की गई थी। साथ ही पेरामिलिटरी फोर्स, एसआरपी और चेतक कमांडो को भी संवेदनशील इलाकों में तैनात किया जाएगा। रथयात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था बरकरार रहे, इसके लिए पुलिस ने पहले ही मेगा रिहर्सल किया था। जिसका मकसद था कि योजना में अगर कोई कमी हो तो उसका तत्कालन समाधान कर सुचारू आयोजन किया जा सके। रथयात्रा की सुरक्षा में 4 डीआईजी, 20 एसपी, 38 डीसीपी, 60 डीवायएसपी, 150 पीआई, 300 पीएसआई, 2000 पुलिस जवान, एसआरपी की 21 कंपनी, पेरा मिलिटरी फोर्स की 25 टीम, सेंट्रल पेरा मिलिटरी फोर्स की 22 कंपनी, बोडी वॉर्न कैमरे से लैस जवान समेत कुल 25000 से अधिक पुलिस जवानों को तैनात किया गया। अहमदाबाद की रथयात्रा में पहली बार पेरामोटर का उपयोग किया गया। आकाश में उडने वाले पेरामोटर का उपयोग किया गया। ड्रोन के साथ-साथ पेरामोटर से भी रथयात्रा पर नजर रखी गई। इसके लिए पुलिस ने अहमदाबाद के जीएमडीसी ग्राउंड में पेरामोटर का ट्रायल भी किया था। पेराग्लाइडिंग के जरिए आकाश से जमीन पर नजर रखी गई। पुलिस जवानों पेराग्लाइड कर आकाश से रथयात्रा पर बाज नजर बनाए रखी। गोकार्ट के साथ पेराशूट से जुड़े वाहन का भी उपयोग किया गया। रथयात्रा की सुरक्षा के लिए 1.50 करोड़ रुपये का बीमा भी लिया गया था। अहमदाबाद के अलावा राजकोट, भावनगर, वडोदरा और सूरत समेत राज्य के कई शहरों में छोटी-बड़ी रथयात्रा में भगवान जगन्नाथजी का दर्शन करने श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा। अहमदाबाद समेत राज्यभर में शांतिपूर्ण माहौल में रथयात्रा के शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न होने से पुलिस-प्रशासन ने राहत की सांस ली।

गुजरात के कई शहरों में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

अहमदाबाद (ईएमएस)। उडीसा के पुरी के बाद गुजरात के अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ जी की सबसे बड़ी रथयात्रा निकाली जाती है। केवल अहमदाबाद ही नहीं बल्कि राज्य के कई शहरों में भी रथयात्रा का आयोजन किया जाता है। अषाढी दूज पर राज्य के कई शहरों में रथयात्रा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गई है। इन शहरों में वडोदरा, पालनपुर, भावनगर, शामलाजी, ईडर, दमन-दादरा नगर हवेली, राजकोट और सुरेन्द्रनगर जिले में 7 जगह भगवान नगर चर्या को निकले। मध्य गुजरात के वडोदरा में भगवान जगन्नाथजी की 41वीं रथयात्रा निकली। भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र एक ही रथ में सवार होकर नगर चर्या को निकले। कोरोनाकाल के दो साल बाद हर्षोल्लास के बीच भगवान नगरवासियों को दर्शन देने निकले थे। पहली बार रथयात्रा में 30 टन हलुवा, केला, जामून का प्रसाद भक्तों में बांटा गया। रथयात्रा के लिए करीब ढाई लाख के फूल मंगवाए गए थे। थाईलैंड से मंगवाए गए विशेष पुष्प भगवान को समर्पित किए गए। उत्तरी गुजरात के बनासकांठा जिले के पालनपुर में पिछले 51 वर्षों से रथयात्रा का आयोजन किया जाता है। दो साल कोरोना संकट के कारण भगवान नगर चर्या को नहीं निकले थे। जिससे आज बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन की प्रतीक्षा करते दिखाई दिए। 51 साल में पहली बार पालनपुर में भगवान को उनके ननिहाल ले जाया गया था। पहली बार पालनपुर में रथयात्रा का 13 किलोमीटर लंबा रूट तैयार किया गया। रथयात्रा के दौरान 1300 किलो मूंग, जामून और ककडी प्रसाद स्वरूप वितरित की गई। रथयात्रा के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सौराष्ट्र के भावनगर में भगवान जगन्नाथ की 37वीं रथयात्रा कड़े सुरक्षा इंतजाम के बीच निकली। भावनगर के राज परिवार के विजयराजसिंह ने पूजा विधि के बाद रथयात्रा का प्रस्थान कराया। रथयात्रा के दौरान भावनगर में बारिश भी हुई। राजमहल के निकट पहुंचने पर गरज के साथ मेघा ने रथयात्रा का स्वागत किया। वहीं सुरेन्द्रनगर जिले में 7 जगहों पर रथयात्रा निकाली गई। जिले के पाटडी, धांगध्रा और सुरेन्द्र शहर में 5 समेत 7 रथयात्रा निकली। कोरोनाकाल के दो साल बाद आज रथयात्रा निकलने पर श्रद्धालुओं में जबर्दस्त उत्साह था। राजकोट में दो साल बाद निकली रथयात्रा से पूरा शहर जगन्नाथमय हो गया। रथयात्रा के रूट पर ड्रोन कैमरे से पुलिस की बाज नजर रही। रथयात्रा के रूट पर 300 किलो मूंग का प्रसाद वितरण किया गया। उत्तरी गुजरात के अरवल्ली जिले के शामलाजी और ईडर में भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा निकाली गई। शामलाजी मंदिर से चांदी के रथ में सवार होकर भगवान भक्तों को दर्शन निकले। हांलाकि मंदिर परिसर में सात चक्कर लगाकर रथयात्रा पूर्ण कर ली गई। शामलाजी में रथयात्रा के दौरान बूंदा बांदी हुई। गुजरात से सटे संघ प्रदेश दमन और दादरा नगर हवेली में भगवान जगन्नाथ जी की भक्तिभाव से रथयात्रा निकाली गई।

आणंद के बोरसद में मेघ तांडव, करीब 5 घंटों में 12 ईंच बारिश

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर समेत राज्यभर में मॉनसून मजबूत होने लगा है। गुजरात के 70 तहसीलों में अच्छी बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक आणंद जिले के बोरसद में करीब 4-5 ईंच में 12 ईंच बारिश हुई है। एक ही दिन में 12 ईंच बारिश ने जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बोरसद के ज्यादातर इलाके जलमग्न हो गए। बोरसद की सड़कों पर घुटनों तक पानी भर जाने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। बारिश का पानी लोगों के घर में घुसने से घरेलू सामान बर्बाद हो गया। वन तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। जबकि 4 जितने पशुओं की भी पानी में डूबकर मौत हो गई। बोरसद के अलावा जिले के आंकलाव में 3 ईंच, तारापुर में 2 ईंच, सोजीत्रा में 2 ईंच, पेटलाद में 2 ईंच बारिश हुई है। इसके अलावा आणंद जिले के उमरेठ और खंभात में 1-1 ईंच बारिश हुई। दक्षिण गुजरात में सबसे अधिक बारिश सूरत जिला और शहर में हुई है। सूरत शहर और उमरपाडा में 7 ईंच, कामरेज में 8 ईंच और मांगरोल में 6 ईंच बारिश होने की खबर है। सूरत के ओलपाड में 4 ईंच, तापी जिले के डोलवण में 3.5 ईंच, वलसाड के पारडी में 3 ईंच बारिश हुई है। दक्षिण गुजरात के भरुच, नवसारी और तापी में अच्छी बारिश हुई है। दक्षिण गुजरात के अलावा सौराष्ट्र में भी बारिश का दौर जारी है। राजकोट के लोधिका में 2 घंटे में 4 ईंच बारिश दर्ज हुई है। राजकोट के जेतपुर में 2 ईंच और गोंडल में 3 ईंच बारिश हुई है। वहीं जूनागढ़ के मेंदरडा भी तीन ईंच बारिश होने की खबर है।

मुख्यमंत्री ने सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से भगवान जगन्नाथजी की रथयात्रा का निरीक्षण किया

- रूट पर पुलिस प्रबंध, CCTV कैमरा, ड्रोन तथा उड़ए सिस्टम सहित व्यवस्थाओं का विवरण प्राप्त किया

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को अषाढ़ी दूज पर अहमदाबाद महानगर की 145वीं जगन्नाथ रथयात्रा सहित राज्य के विभिन्न नगरों में निकली रथयात्राओं का गांधीनगर स्थित सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से गहन निरीक्षण किया। इससे पूर्व श्री पटेल ने शुक्रवार तड़के अहमदाबाद में जमालपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुँच कर पहिंद विधि की और भगवान के रथ को नगरचर्या के लिए प्रस्थान कराया। अहमदाबाद की रथयात्रा को प्रस्थान कराने के बाद श्री भूपेंद्र पटेल मुख्यमंत्री निवास पर पहुँचे और उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की वीडियो वॉल पर रथयात्रा की हो रही रीयल टाइम मॉनिटरिंग को रुचिपूर्वक देखा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र तथा बहन सुभद्राजी के रथों, भक्तों-श्रद्धालुओं की पदयात्रा तथा यात्रा रूट पर पुलिस पेट्रोलिंग, प्रबंध की गतिविधियों को सूक्ष्मतापूर्वक देखा। इस वर्ष की रथयात्रा में राज्य के गृह विभाग ने पहली बार ड्रोन टेक्नोलॉजी के माध्यम से लगभग 65 मीटर ऊँचाई से यात्रा पर नज़र रखने का सफल प्रयोग किया है। मुख्यमंत्री ने इस ड्रोन प्रयोग को भी गहनता से देखा। उन्होंने हेलीकॉप्टर तथा ड्रोन से रथयात्रा की सुरक्षा किए जाने की सराहना की। अहमदाबाद की इस रथयात्रा में संवेदनशील स्थानों तथा प्वॉइंट्स पर तैनात गुजरात पुलिस के जवानों-कर्मचारियों को भी पहली बार लगभग 2500 बॉडीवॉर्न कैमरा से सज्ज किया गया है। मुख्यमंत्री ने इनकी गतिविधियाँ भी देखीं। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को बताया कि अहमदाबाद शहर पुलिस तथा महानगर पालिका; दोनों ने 100 से अधिक कैमरा लगा कर अहमदाबाद की 145वीं जगन्नाथ रथयात्रा की पल-पल की निगरानी की व्यवस्था की है। पटेल ने सीएम डैशबोर्ड की वीडियो वॉल पर यह भी देखा कि इस वर्ष की रथयात्रा में अखाड़ों, भजन मंडलियों, ट्रकों तथा यात्रा में शामिल वाहनों की रीयल टाइम मॉनिटरिंग जीपीएस सिस्टम से हो रही है। मुख्यमंत्री ने यह भी जानकारी हासिल की कि समग्र यात्रा की 46 फ़िक्स्ड लोकेशन सहित अन्य मूविंग, व्हीकल माउंटेड कैमरा तथा हाई रिज़ॉल्यूशन सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग की व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने सीएम डैशबोर्ड पर अहमदाबाद के अतिरिक्त डाकोर तथा मेहमदाबाद में आयोजित रथयात्रा के सीधे प्रसारण और कंट्रोल रूम मॉनिटरिंग को भी देखा। रथयात्रा निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन, मुख्य सचिव पंकज कुमार, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राज कुमार तथा गुजरात पुलिस महानिदेशक आशिष भाटिया भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने यह भी जाना का इस वर्ष रथयात्रा के मार्ग पर स्थित छत प्वॉइंट, रणनीतिक पुलिस प्वॉइंट और सुरक्षा व्यवस्था में जुड़े कर्मचारियों-अधिकारियों को मोबाइल व्हॉट्सएप से जोड़ कर यात्रा के दौरान कम्युनिकेशन को सुदृढ़ एवं सरल बनाया गया है और वीएचएफ़ वॉकी-टॉकी से 16 चैनलों पर संदेश संचार की व्यवस्था की गई है। पटेल ने रथयात्रा में शामिल हुए श्रद्धालुओं, भक्तों, संतों के लिए भोजन-प्रसादी, पानी, प्राथमिक उपचार के लिए की गई सुविधाओं की जानकारी हासिल की और संतोष व्यक्त किया।

गुजरात में कोरोना के 632 नए मरीज, 384 लोग ठीक होकर घर लौटे, एक मौत

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में कोरोना फिर एक बार तेजी से पैर पसारने लगा है। शुक्रवार को राज्यभर में कोरोना के 632 नए मरीज सामने आए हैं, वहीं 384 ठीक होकर अपने घर लौट गए। लगातार बढ़ते कोरोना मामलों के चलते रिकवरी रेट 98.85 प्रतिशत रह गया है। दक्षिण गुजरात के वलसाड में कोरोना से एक मरीज की मौत हो गई। दूसरी ओर राज्यभर में आज 48047 कोविड के डोज दिए गए। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में कोरोना के सबसे अधिक 258 नए केस दर्ज हुए। वहीं सूरत कॉर्पोरेशन में 85, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 42, वलसाड में 33, गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 32, मेहसाणा में 30, नवसारी में 18, सूरत में 18, कच्छ में 14, राजकोट कॉर्पोरेशन में 14, गांधीनगर में 11, पाटन में 11, भावनगर कॉर्पोरेशन में 8, देवभूमि द्वारका में 7, राजकोट में 7, साबरकांठा में 6, भरुच में 5, अहमदाबाद में 4, आणंद में 4, जामनगर कॉर्पोरेशन में 4, मोरबी में 4, वडोदरा में 4, अमरेली, भावनगर, खेडा, सुरेन्द्रनगर में 2-2, बनासकांठा, दाहोद, गिर सोमनाथ, पंचमहल और तापी में 1-1 समेत राज्यभर में कुल 632 नए केस पिछले 24 घंटों में दर्ज हुए। इस दौरान 384 लोग ठीक होकर अपने घरों को लौट गए। राज्य में अब तक 1218426 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके है। वलसाड जिले में कोरोना से एक मरीज की मौत के साथ राज्य में अब तक 10947 मरीज अपनी जान गंवा चुके है। दूसरी ओर टीकाकरण अभियान के तहत आज 18 वर्ष से अधिक आयु के 1712 को पहला और 10294 को दूसरा डोज दिया गया। 15 से 17 आयु के 750 को पहला और 3929 को दूसरा टीका लगाया गया। 20166 नागरिकों को राज्य में प्रीकॉशन डोज दिया गया। जबकि 12 से 14 वर्षीय 5147 किशोरों को पहली और 6049 को कोविड की दूसरी वैक्सीन लगाई गई। राज्य में अब तक 11 करोड़ 14 लाख 80 हजार 896 कोविड के डोज दिए जा चुके है।

कांग्रेस शासन में रथयात्रा सुरक्षित नहीं थी, लोगों में डर फैल जाता था : अमित शाह

गांधीनगर (ईएमएस)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज गुजरात में कांग्रेस पर कड़े प्रहार किए। गांधीनगर जिले के रूपाल में वरदायिनी माता मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में रथयात्रा का समय आते ही लोगों में दहशत फैल जाती थी। दंगे और गोलियां चलती थी। दो बार तो भगवान के रथ तक ले गए थे। तीन बार रथयात्रा पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन गुजरात की जनता ने जब से भाजपा के हाथ सत्ता कमान कमान सौंपी है तब से रथयात्रा सुरक्षित और कर्फ्यूमुक्त माहौल में हर्षोल्लास के साथ निकाली जाती है। पहले गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रथयात्रा सुरक्षित निकलती थी और अब गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी इसका ध्यान रख रहे है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि रूपाल वह गांव है, महाभारत काल से इतिहास का गवाह है। यहां वही वरदायिनी माता बिराजमान हैं जहां पांडवों ने एक साल का अज्ञातवास पूर्ण किया था। रूपाल के विख्यात मंदिर को पीएम मोदी ने प्रसाद योजना के तहत शामिल कर लिया है। कोरोनाकाल के दौरान भी रूपाल में पल्ली यात्रा रुकी नहीं थी। वर्ष 2024 में भाजपा को वोट देने का समय आएगा, तब तक रूपाल इतना बदल चुका होगा कि इसे पहचानना भी मुश्किल होगा। रूपाल में तालाब बनने के बाद इसका लोकार्पण करने मैं स्वयं आऊंगा। तालाब में बोटिंग समेत हर जरूरत की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं ने स्वच्छता के लिए जो अभियान शुरू किया है, उसके लिए वह अभिनंदन की पात्र है। मेरे 5 आदर्श गांव में से गांधीनगर जिले के 3 गांव देश के टॉप 5 आदर्श गांव में शामिल है। जिसमें भीलेश्वर गांव ने पहला स्थान हासिल किया है। शाह ने कहा कि मैं जब 7 साल का था तब मेरी माता मुझे ट्रेक्टर में रूपाल लेकर यहां आई थी। गांधीनगर जिले के वासणिया महादेव से मेरी यादें जुड़ी हुई है। आज वासण गांव के तालाब के नवीनीकरण के लिए भूमिपूजन किया है। वासणिया गांव के तालाब में बोटिंग समेत अन्य व्यवस्था लोगों को उपलब्ध होगी। गुजरात दौरे पर आए केन्द्रीय अमित शाह ने शुक्रवार को दिन की शुरुआत अहमदाबाद के भगवान जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती के साथ की। मंगला आरती के बाद अमित शाह ने गांधीनगर जिले के कलोल 750 बेड के प्रेमस्वरूप स्वामी मल्टी स्पेशयालिटी होस्पिटल को शिलान्यास किया और उसके बाद रूपाल में वरदायिनी माता मंदिर ट्रस्ट के अनेक विकास कार्यों का उदघाटन किया। अपने संबोधन के दौरान अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में 387 मेडिकल कॉलेज थे, जो पिछले 8 साल में बढ़कर 600 के पार हो गए है। 22 नए एम्स बनाए हैं और 57 कॉलेजों में सीटों की संख्या बढ़ाई है। नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीब परिवारों के लिए आयुष्यमान योजना बनाई और उसका अमलीकरण किया। इस योजना में देश के 60 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध हो रही है। अमित शाह ने आज कहा कि 2 ऑवर ब्रिज का शिलान्यास किया गया है। विश्व उमिया धाम तक फोर लेन बनाया जा रहा है। आज 11 करोड़ के विकास विकास कार्यों का शिलान्यास और 93 करोड़ के कार्यों का लोकार्पण किया गया है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती की

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात दौरे पर गुरुवार की शाम अहमदाबाद पहुंचे केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने आज सुबह शहर के जमालपुर स्थित भगवान जगन्नाथ जी के मंदिर में मंगला आरती की। पिछले कई सालों से अमित शाह रथयात्रा के दिन मंगला आरती की परंपरा निभाते रहे है। गुजरात में रहे हों या दिल्ली में रथयात्रा को अमित शाह अहमदाबाद में रहते हैं और मंगला आरती का लाभ लेते है। शुक्रवार को भी प्रातःकाल रथयात्रा के प्रस्थान करने से पहले सुबह 4 बजे भगवान जगन्नाथजी की मंगला आरती की। इस अवसर पर गुजरात के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी भी उपस्थित रहे। मंगला आरती के बाद अमित शाह ने ट्वीट किया। ट्वीट में अमित शाह लिखा 'अहमदाबाद के जगन्नाथ मंदिर में मंगला आरती में सहकारी बनकर महाप्रभु जगन्नाथजी के आशीर्वाद प्राप्त किए। रथयात्रा के शुभ अवसर पर यहां आना और महाप्रभु की आराधना करना यह मेरे लिए हमेशा एक विशिष्ट आध्यात्मिक अनुभव रहा है। महाप्रभु सभी पर कृपा बनाए रखें। अमित शाह ने ट्वीट कर कच्छी मांडुओ को भी नववर्ष की शुभकामनाए दी। अमित शाह ने ट्वीट लिखा 'विश्वभर में रहनेवाले सभी कच्छी भाई-बहनों को अषाढी दूज और कच्छी नूतन वर्ष की अंतःकरणपूर्वक शुभकामनाएं देता हूं। यह नूतन वर्ष आप सभी के लिए सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए ऐसी महाप्रभुजी के चरणों में प्रार्थना।

मुख्यमंत्री ने सभी कच्छियों को दी अषाढ़ी दूज-कच्छी नूतन वर्ष की शुभकामनाएं

- भूपेन्द्र पटेल ने कच्छ की सर्वांगीण विकास यात्रा के और भी उन्नत बनने की मंगलकामना व्यक्त की

गांधीनगर (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात और गुजरात से बाहर देश और दुनिया में रहने वाले सभी कच्छी नागरिकों को अषाढ़ी दूज कच्छी नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कच्छी नूतन वर्ष के अपने शुभकामना संदेश में कहा कि देश और दुनिया में जहां-जहां कच्छी बसे हैं, वहां उन्होंने अपने स्वाभिमान, कर्तव्यपरायणता और व्यवहार कुशलता से कच्छियत को उजागर किया है। उन्होंने कहा कि किसी दौर में शुष्क क्षेत्र माना जाने वाला कच्छ अब नर्मदा के जल से समृद्धि की दिशा में आगे बढ़ा है। कच्छी नूतन वर्ष के अवसर पर श्री भूपेंद्र पटेल ने मंगलकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि हाइब्रिड एनर्जी पार्क और विशालकाय उद्योगों के साथ कच्छ ने विकास की जो छलांग लगाई है, वह आने वाले वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ध्येय मंत्र से और भी अधिक उन्नत बनेगी।

मुख्यमंत्री ने अहमदाबाद में जगन्नाथ जी की 145वीं रथयात्रा में की पहिंद विधि

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अषाढ़ी दूज के पावन अवसर पर शुक्रवार की भोर अहमदाबाद की 145वीं जगन्नाथ जी की रथयात्रा को प्रस्थान कराने से पहले मंदिर परिसर में भगवान जगन्नाथ जी के रथ और भगवान की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री को पहली बार भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा की पहिंद विधि करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी और उद्योग राज्य मंत्री श्री जगदीशभाई विश्वकर्मा भी इस विधि में भक्ति-भावपूर्वक सहभागी बने।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने अषाढ़ी दूज को परंपरागत रूप से आयोजित होने वाली रथयात्रा में इस वर्ष भगवान के रथ की सोने की झाड़ू से सेवा-सफाई कर पहिंद विधि संपन्न की। मुख्यमंत्री ने अषाढ़ी दूज को कच्छी नूतन वर्ष के अवसर पर कच्छी समाज के सभी भाई-बहनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की कल यानी गुरुवार को किए गए कोविड टेस्ट की रिपोर्ट निगेटिव आई है। वैसे भी उन्हें कोरोना के केवल हल्के लक्षण ही थे और वे पूरी तरह से स्वस्थ ही थे। परंपरा के अनुसार भगवान जगन्नाथ जी की रथयात्रा में प्रतिवर्ष मुख्यमंत्री भगवान के रथ की सोने की झाड़ू से पहिंद विधि संपन्न कर रथयात्रा को प्रस्थान कराते हैं। इस परंपरा को निभाते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आज 145वीं रथयात्रा में बतौर मुख्यमंत्री पहली बार पहिंद विधि कर रथयात्रा को नगर भ्रमण के लिए प्रस्थान कराकर दशकों पुरानी परंपरा को कायम रखा है।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ महेंद्र मुंजपरा ने इन स्टेशनों पर स्टॉपेज का वर्चुअल रूप से किया शुभारंभ

राजकोट (ईएमएस) केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ महेन्द्रभाई मुंजपरा द्वारा यात्रियों की सुविधा के लिए राजकोट-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस के थान स्टेशन पर और ओखा-तुतिकोरीन विवेक एक्सप्रेस के सुरेन्द्रनगर स्टेशन पर स्टोपेज का वर्चुअल रूप से ई-शुभारंभ किया गया। अब से ट्रेन संख्या 20913 राजकोट-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस थान स्टेशन पर प्रति गुरुवार 15.59 बजे पहुंचेगी और 16.01 बजे प्रस्थान करेगी। इसी ट्रेन संख्या 20914 दिल्ली सराय रोहिल्ला-राजकोट एक्सप्रेस थान स्टेशन पर प्रति शनिवार को 07.35 बजे पहुंचेगी और 07.37 बजे प्रस्थान करेगी। साथ ही अब से ट्रेन संख्या 19568 ओखा-तुतिकोरीन विवेक सुरेन्द्रनगर स्टेऔशन पर प्रति शुक्रवार को 07.14 बजे पहुंचेगी और 07.16 बजे प्रस्थान करेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 19567 तुतिकोरीन-ओखा विवेक एक्सप्रेस प्रति मंगलवार सुरेन्द्रनगर स्टेशन पर 20.25 बजे पहुंचेगी और 20.27 बजे प्रस्थान करेगी। वर्चुअल रूप से आयोजित इस समारोह में माननीय विधायक धनजी भाई पटेल, राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अनिल कुमार जैन, राजकोट डिविजन के सीनियर डीसीएम अभिनव जेफ तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल द्वारा मनाया जा रहा है 'आजादी का अमृत महोत्सव'

- पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों से साबरमती आश्रम के लिए मोटरसाइकिल रैली निकाली गई

अहमदाबाद (ईएमएस)। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देश भर में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर को मनाने के लिए भारतीय रेलवे भी देश के गौरवशाली इतिहास के बारे में जागरूकता पैदा करने में अपना योगदान दे रहा है। इसी क्रम में 1 जुलाई, 2022 को संबंधित मंडल रेल प्रबंधकों द्वारा पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों अर्थात मुंबई सेंट्रल, वडोदरा, अहमदाबाद, रतलाम, भावनगर और राजकोट से पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल की मोटरसाइकिल रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया गया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 1 जुलाई, 2022 को पश्चिम रेलवे के सभी मंडल मुख्यालयों से मोटर साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया है, जो पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में मुंबई, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश के 75 महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों को कवर करते हुए 15 जुलाई, 2022 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय पहुंचेंगी। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) श्री प्रकाश बुटानी 17 जुलाई, 2022 को पश्चिम रेलवे मुख्यालय से साबरमती आश्रम के ऐतिहासिक स्थल तक रैली को झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस रैली में 44 मोटरसाइकिलों पर पश्चिम रेलवे के कुल 88 आरपीएफ कर्मियों ने भाग लिया है। पश्चिम मध्य रेल के साथ-साथ मध्य रेलवे की आरपीएफ टीमें साबरमती आश्रम में पश्चिम रेलवे की चयनित टीम के साथ जुड़ेंगी और उसके बाद संयुक्त टीमें, मार्ग के प्रमुख शहरों को कवर करते हुए 13 अगस्त को नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पहुँचेंगी। ठाकुर ने आगे बताया कि मुंबई मंडल के रेलवे सुरक्षा बल की मोटरसाइकिल रैली को मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री जी वी एल सत्य कुमार ने बांद्रा टर्मिनस से अन्य वरिष्ठ मंडल अधिकारियों के साथ झंडी दिखाकर रवाना किया। 15 मोटरसाइकिलों पर सवार आरपीएफ की टीम मुंबई सेंट्रल से अमलनेर तक मंडल के 25 स्थानों का दौरा करेगी। जनता में आरपीएफ की भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए रैली के साथ आरपीएफ की उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली एक मोबाइल वीडियो वॉल भी लगेगी। मार्ग में आरपीएफ बैंड पार्टी भी अपने संगीत कौशल से जनता का मनोरंजन करेगी। कार्यक्रम के अंतर्गत आरपीएफ द्वारा पालघर, वलसाड और नंदुरबार में स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवार के सदस्यों को सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों और उनके परिवारों द्वारा रन फॉर यूनिटी, वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, वीडियो प्रदर्शन मार्च के साथ-साथ स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने जैसी कई अन्य गतिविधियों का भी आयोजन किया जा रहा है। इन सभी पहलों शुरू की जा चुकी है और 15 अगस्त, 2022 तक विशेष अभियान के रूप में ये जारी रहेंगी।

अहमदाबाद मण्डल पर सीजन टिकट धारकों को विनिर्दिष्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के द्वितीय श्रेणी के अनारक्षित कोचों में यात्रा की अनुमति

अहमदाबाद (ईएमएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों सीजन टिकट धारकों को विनिर्दिष्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के अनारक्षित डिब्बों में यात्रा करने की अनुमति दी गई है। यदि कोई सीजन टिकट धारक यात्री गैर-निर्दिष्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में यात्रा करते हुए पाया जाता है, तो उसे बिना टिकट माना जाएगा और इस संबंध में मौजूदा नियमों के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। अहमदाबाद मण्डल पर सीजन टिकट धारकों को निम्नलिखित विनिर्दिष्ट मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के द्वितीय श्रेणी के अनारक्षित कोचों में विनिर्दिष्ट स्टेशनों के बीच यात्रा की अनुमति दी जा रही है।

1. ट्रेन संख्या 11463 सोमनाथ-जबलपुर एक्सप्रेस (राजकोट-अहमदाबाद के बीच)
2. ट्रेन संख्या 12655/56 अहमदाबाद-चेन्नई सेंट्रल एक्सप्रेस (अहमदाबाद-बड़ोदरा-अहमदाबाद के बीच सुपरफास्ट किराये के साथ)
3. ट्रेन संख्या 12971/72 बांद्रा टर्मिनस-भावनगर एक्सप्रेस (अहमदाबाद-सुरेंद्रनगर-भावनगर के बीच सुपरफास्ट किराये के साथ)
4. ट्रेन संख्या 14820/19 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस (साबरमती-भीलड़ी-साबरमती के बीच)
5. ट्रेन संख्या 19015/16 मुंबई सेंट्रल-पोरबंदर एक्सप्रेस (अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद के बीच)
6. ट्रेन संख्या 19033/34 वलसाड-अहमदाबाद एक्सप्रेस (वलसाड-अहमदाबाद-वलसाड के बीच)
7. ट्रेन संख्या 19119/20 अहमदाबाद-सोमनाथ एक्सप्रेस (अहमदाबाद-सोमनाथ-अहमदाबाद के बीच)
8. ट्रेन संख्या 19217/18 बांद्रा टर्मिनस-वेरावल एक्सप्रेस (अहमदाबाद-राजकोट-अहमदाबाद के बीच)
9. ट्रेन संख्या 20820 ओखा-पुरी एक्सप्रेस (पश्चिम रेलवे सेक्शन पर सुपरफास्ट किराये के साथ)
10. ट्रेन संख्या 22185 अहमदाबाद-पुणे एक्सप्रेस (पश्चिम रेलवे सेक्शन पर सुपरफास्ट किराये के साथ)
11. ट्रेन संख्या 22953/54 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद एक्सप्रेस (मुंबई सेंट्रल – अहमदाबाद- मुंबई सेंट्रल के बीच सुपरफास्ट किराये के साथ)
12. ट्रेन संख्या 22955/56 बांद्रा टर्मिनस-भुज एक्सप्रेस (बांद्रा टर्मिनस-भुज- बांद्रा टर्मिनस के बीच सुपरफास्ट किराये के साथ)
13. ट्रेन संख्या 14821/22 साबरमती-जोधपुर एक्सप्रेस (पालनपुर-साबरमती-पालनपुर के बीच)
14. ट्रेन संख्या 14893/94 जोधपुर-पालनपुर एक्सप्रेस (भीलड़ी-पालनपुर-भीलड़ी के बीच)

स्कोडा ऑटो इंडिया ने जून महीने और 2022 की पहली छमाही में सारे रिकॉड्र्स तोड़े

मॉनसून ने देश में दस्तक दे दी है और स्कोडा ऑटो इंडिया में भी रिकॉड्र्स की बारिश हो रही है। 2018 में शुरू हुई इंडिया 2.0 की कोशिश के चलते कंपनी बिक्री के अपने ही रिकॉर्ड तोड़ रही है और महीने दर महीने नये रिकॉर्ड बना रही है। जून 2022 में 6,023 स्कोडा को अपना नया घर मिला। यह मार्च 2022 में 5,608 यूनिट्स का एक दशक पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बाद हुआ। वर्ष-दर-वर्ष के हिसाब से जून 2022 ने जून 2021 में बिकीं 734 कारों की तुलना में 721इ बढ़ोतरी दर्ज की। सबसे महत्विपूर्ण, स्को डा ऑटो इंडिया ने 2021 में 23,858 यूनिट्स की वार्षिक बिक्री से ज्या दा बिक्री 2022 की पहली छमाही में ही 28,899 यूनिट्स की बिक्री से दर्ज की है।

स्कोटडा ऑटो इंडिया के ब्राण्डब डायरेक्टवर ज़ैक होलिस ने कहा, "हमारे दोनों ही इंडिया 2.0 प्रोडक्ट्सं बाजार में एक बेहद चुनौती वाले माहौल में आए थे। वैश्विक महामारी, बार-बार लगे लॉकडाउन, आर्थिक उथल-पुथल, भूराजनैतिक अस्थिरता और अब आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर रही सेमीकंडक्टनर की लगातार कमी। इसलिये यह स्कोहडा ऑटो इंडिया में हम सभी के लिये एक बेहतरीन उपलब्धि है कि हम बिक्री के रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं और नये रिकॉर्ड बना रहे हैं। यह हमारी सभी टीमों की निरंतर मेहनत का फल है। न केवल प्रोडक्ट के मामले में, बल्कि ग्राहक संतोष, हमारे नये कस्टहमर टचपॉइंट्स की व्या पक और गहरी पहुँच और सर्विस के लिये [illegible] कैम्पेनों तक। हमारे डीलर पार्टनर्स भी एक बड़ी भूमिका निभा रहे हैं और उन्होंने शानदार काम किया है। हम सभी मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि 2022 भारत में हमारा 'सबसे बड़ा साल' बने।"

हेल्थविस्टा इंडिया लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के यहाँ डीआरएचपी दाखिल किया

DRHP Link: https://jmfl.com/docs/default-source/default-document-library/draft-red-herring-prospectus90a9ba81d5a0683b8507ff0300a28ed8.pdf?sfvrsn-0

हेल्थविस्टा इंडिया लिमिटेड भारत का अग्रणी आउट-ऑफ-हॉस्पिटल हेल्थकेयर प्रदाता, ब्रांड पोर्टिया (अस्पताल के बाहर स्वास्थ्य सेवा) के साथ, ने आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (ठडीआरएचपीठ) दाखिल किया है।

कंपनी की योजना इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) (प्रत्येक अंकित मूल्य ? 1 प्रत्येक) के माध्यम से धन जुटाने की है, जिसमें ? 2,000 मिलियन तक का फ्रेश इश्यू (फ्रेश इश्यू) और निवेशक विक्रेता शेयरधारकों द्वारा 56,252,654 तक का ऑफर फॉर सेल (ऑफर फॉर सेल) शामिल है।

कंपनी निम्नलिखित उद्देश्यों के वित्तपोषण के लिए नए निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है: 1. मटेरियल सब्सिडियरी, अर्थात् मेडीबिज फार्मा प्राइवेट लिमिटेड की कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को वित्तपोषित करना; 2. कंपनी द्वारा लिए गए कुछ ऋणों का पुनर्भुगतान/पूर्व भुगतान; 3. चिकित्सा उपकरणों की खरीद; 4. विपणन और ब्रांड निर्माण गतिविधियाँ; 5. इनऑर्गेनिक विकास पहल और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य।

रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए गए इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है।

एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड, बुक रनिंग लीड मैनेजर ("बीआरएलएमठ) हैं।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95